संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 37
पृष्ठ 8
शनिवार
25 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रात भर चेहरे पर बेसन लगाने से...

विचार- जनता की भागीदारी के बिना...

खेल- तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम...

पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के बढ़ेंगे पांच गुना वित्तीय अधिकार : योगी

मुख्य अभियंता को अब 10 करोड़, अधीक्षण अभियंता को 5 करोड़ तक कार्य स्वीकृति का अधिकार

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग के विभागीय अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों में पाँच गुना तक की वृद्धि किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बदलावों से विभागीय अधिकारियों को निर्णय लेने में अधिक स्वायत्तता प्राप्त होगी। उच्च स्तर पर अनुमोदन की आवश्यकता घटने से निविदा, अनुबंध गठन एवं कार्यारंभ की प्रक्रिया में गति आएगी। यह सुधार वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता को बढ़ाने में सहायक होगा।शुक्रवार को लोक निर्माण विभाग की बैठक में यह तथ्य सामने आया कि विभाग के अधिकारियों के वित्तीय अधिकार 1995 में निर्धारित किए गए थे। इस बीच निर्माण कार्यों की लागत में पाँच गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। कॉस्ट इन्फ्लेशन इंडेक्स के अनुसार 1995 की तुलना में वर्ष 2025 तक लगभग 5.52 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में वित्तीय अधिकारों का पुनर्निर्धारण आवश्यक है, जिससे निर्णय प्रक्रिया में तेजी आए और परियोजनाओं का क्रियान्वयन समयबद्ध रूप से किया जा सके।अपर मुख्य सचिव लोक निर्माण विभाग ने मुख्यमंत्री को सिविल, विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए वित्तीय अधिकारों की वर्तमान व्यवस्था की जानकारी दी। विमर्श के उपरांत निर्णय लिया गया कि सिविल कार्यों के लिए अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों की सीमा अधिकतम पाँच गुना तक तथा विद्युत एवं यांत्रिक कार्यों के लिए कम से कम दो गुना तक बढ़ाई जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्णय के अनुसार मुख्य अभियंता को अब 2 करोड़ के स्थान पर 10 करोड़ रूपये तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार होगा। अधीक्षण अभियंता को1 करोड़ से बढ़ाकर 5 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति का अधिकार दिया जाएगा। अधिशासी अभियंता के वित्तीय अधिकार 40 लाख से बढ़ाकर 2 करोड़ किए जाएंगे। सहायक अभियंता को भी सीमित दायरे में टेंडर स्वीकृति एवं छोटे कार्यों की अनुमति देने के अधिकार बढ़ाए जाएंगे। बता दें कि यह पुनर्निर्धारण तीन दशकों के बाद होने जा रहा है।बैठक में उत्तर प्रदेश अभियंता सेवा लोक निर्माण विभाग उच्चतर नियमावली, 1990 में संशोधन के माध्यम से विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग की सेवा संरचना, पदोन्नति व्यवस्था तथा वेतनमान के पुनर्गठन से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया।बैठक में बताया गया कि नियमावली में किया जा रहा संशोधन विभागीय अभियंताओं की सेवा संरचना को वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के उद्देश्य से किया गया है। संशोधित नियमावली में विद्युत एवं यांत्रिक संवर्ग में पहली बार मुख्य अभियंता (स्तर–एक) का नया पद सम्मिलित किया गया है। इसके साथ मुख्य अभियंता स्तर–दो और अधीक्षण अभियंता के पदों की संख्या में वृद्धि की गई है। नवसृजित पदों को नियमावली में समाहित करते हुए उनके पदोन्नति स्रोत, प्रक्रिया और वेतनमान को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है, जिससे सेवा संरचना अधिक पारदर्शी और संगठित हो सके।बैठक में बताया गया कि मुख्य अभियंता स्तर–एक के पद पर पदोन्नति अब मुख्य अभियंता स्तर–दो से वरिष्ठता के आधार पर की जाएगी। इसी प्रकार मुख्य अभियंता स्तर–दो और अधीक्षण अभियंता के पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया को नियमावली में स्पष्ट किया गया है। सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुरूप अधिशासी अभियंता से लेकर मुख्य अभियंता स्तर–एक तक के पदों के वेतनमान और मैट्रिक्स पे लेवल निर्धारित किए गए हैं। चयन समिति की संरचना को अद्यतन किया गया है ताकि पदोन्नति और नियुक्ति की कार्यवाही अधिक पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ की जा सके। उन्होंने कहा, लोक निर्माण विभाग राज्य की विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में प्रमुख विभाग है, अभियंताओं की सेवा नियमावली को समयानुकूल, व्यावहारिक और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। योग्यता, अनुभव और वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति व्यवस्था से विभाग की कार्यकुशलता, तकनीकी गुणवत्ता और सेवा भावना को नई दिशा मिलेगी।

बिहार में सुशासन बनाम 'लठबंधन' : पीएम मोदी बोले-

राजद-कांग्रेस सिर्फ़ लूट और घोटाले करती है

बेगूसराय, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 'जंगल राज' के नेताओं ने केवल अपने परिवारों की परवाह की और बिहार के युवाओं का जीवन बर्बाद कर दिया, लेकिन मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राज्य को समृद्ध बनाया। बिहार के बेगूसराय में अपनी दूसरी चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य के लोगों को लालटेन (राजद का चुनाव चिन्ह) की ज़रूरत नहीं है, क्योंकि अब उनके मोबाइल फोन में टॉर्च है। उन्होंने कहा कि बिहार से युवाओं के पलायन के लिए भी राजद ज़िम्मेदार है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि राजग ने श्जंगल राजश को खत्म किया है और राज्य में सुशासन लाया है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में मुकाबला सत्तारूढ़ गठबंधन और श्महालठबंधनश के बीच है। उन्होंने कहा कि आप सभी को याद रखना चाहिए कि राजद–कांग्रेस का नाम सुनते ही निवेशक भाग जाते हैं। जो लोग नौकरी के नाम पर गरीबों से जमीन हड़पते हैं, वे आपको कभी रोजगार नहीं देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा बिहार चुनाव से अपने छह उम्मीदवारों को वापस लेने के फैसले पर भी राजद पर तीखा हमला बोला और कहा कि लालू प्रसाद यादव की पार्टी के अहंकार के कारण झामुमो ने महागठबंधन छोड़ दिया। जिन लोगों को पता नहीं है, उन्हें बता दें कि झामुमो ने छह उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन अब उसने राजद और कांग्रेस की राजनीतिक साजिश का हवाला देते हुए बिहार चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। झामुमो ने यह भी घोषणा की है कि वह अब झारखंड में इन दोनों दलों के साथ अपने गठबंधन पर पुनर्विचार करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राजद ने पिछले दो दशकों में कोई चुनाव नहीं जीता है, लेकिन वह अपने अहंकार में जकड़ा हुआ है। इसी अहंकार के कारण उन्होंने झामुमो को गठबंधन से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पैंतीस साल से बिहार में राजद की अनुयायी रही है... उन्होंने वीआईपी को भी गुमराह किया... जब स्वार्थ हावी हो जाता है और लूट ही लक्ष्य होता है, तो राजद और कांग्रेस ठीक यही कर रहे हैं।

रेखा गुप्ता ने छठ घाटों का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में कई छठ घाटों का उद्घाटन किया और कहा कि इस साल यह त्योहार पूरी भव्यता से मनाया जाएगा। उन्होंने विपक्षी दल आम आदमी पार्टी (आप) पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी के नेता झूठ फैला रहे हैं। आप की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष समेत पार्टी नेताओं ने शहर में छठ की तैयारियों को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। गुप्ता ने कहा कि इस साल छठ की सुंदरता और भव्यता ऐसी होगी जो पहले कभी नहीं देखी गई होगी। उन्होंने कहा, ''हमारे काम में खामियां निकालने के लिए (सोशल मीडिया पर) वीडियो पोस्ट करने वाले कुछ भी कह सकते हैं लेकिन हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।'' उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली में कोई विकास कार्य किए बिना सत्ता में 11 साल बर्बाद कर दिए। गुप्ता ने लक्ष्मी नगर विधानसभा क्षेत्र में 70 लाख रुपये से निर्मित छठ घाट का उद्घाटन करते हुए कहा, ''झूठ फैलाना और प्रचार करना उनकी आदत है। लेकिन भाजपा सरकार जो वादा करती है उसे पूरा करती है। अभी तो केवल आठ महीने हुए हैं और अब भी बहुत काम किया जाना बाकी है।'' उन्होंने त्योहार से जुड़ी तैयारियों का भी निरीक्षण किया और द्वारका क्षेत्र में दो छठ घाटों का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा,''शहर में 1500 छठ घाट तैयार किए जा रहे हैं, जबकि यमुना तट पर 17 स्थानों पर कई किलोमीटर लंबे हिस्से को उत्सव के लिए विकसित किया जा रहा है।

ब्रह्मोस के इंजीनियर की मौत से सनसनी, हादया या फिर साजिश?

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन यानी डीआरडीओ में काम करने वाले ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम इंजीनियर आकाशदीप गुप्ता की संदिग्ध हालात में मौत होती है। आकाशदीप की अचानक तबीयत बिगड़ती है। तबीयत खराब होते ही उन्हें परिवार वाले लोक बंधु अस्पताल ले जाते हैं। प्राथमिक तौर पर बताया जाता है कि वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हुई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पहुंची आलमबाग पुलिस शव को कब्जे में लेती है। पोस्टमार्टम के लिए भेज देती है। हालांकि कहा यह भी जा रहा है कि मौत की वजह हार्ट अटैक भी हो सकती है। लेकिन पुलिस का इसी बीच कहना है कि मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सिर्फ स्पष्ट होगी। आकाशदीप गुप्ता भारत के प्रमुख सुपरसोनिक मिसाइल सिस्टम ब्रह्मोस के प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। दिल्ली में तैनात थे। उनकी संदिग्ध मौत के बाद सुरक्षा एजेंसीज जांच में जुटी हैं कि मौत की असल वजह है तो है क्या? आकाशदीप गुप्ता की शादी 6 महीने पहले हुई। आकाशदीप गुप्ता अपनी पत्नी भारती के साथ लखनऊ के आलमबाग इलाके में रहते थे, जो एक बैंक में काम करती हैं। दोनों की शादी इसी साल अप्रैल में हुई थी। आकाशदीप के पिता कुलदीप गुप्ता ने बताया कि उनका बेटा दिवाली मनाने के लिए छुट्टी लेकर घर आया था। क्रिकेट का शौकीन आकाशदीप मंगलवार शाम खेलने के लिए निकला था। जब वह उस रात वापस लौटे तो भोजन के बाद उनकी तबियत थोड़ी खराब हो गई और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। अस्पताल अधिकारियों ने बाद में स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, प्रथम दृष्टया मौत का कारण दिल का दौरा माना जा रहा है, लेकिन असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। लखनऊ के आलम बाग पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौत की असली वजह के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने का इंतजार किया जा रहा है।

100 शहाबुद्दीन भी आ जाएं तो कुछ नहीं कर पाएंगे : अमित शाह

सीवान, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार चुनाव में दिवंगत शहाबुद्दीन के बेटे, एक सजायाफ्ता अपराधी, को मैदान में उतारने के लिए राजद पर तीखा हमला किया और बिहार के सीवान में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, ष्चाहे 100 शहाबुद्दीन आ जाएँ, कोई भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।ष राजद ने आगामी चुनावों के लिए सीवान के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को मैदान में उतारा है। भाजपा के शीर्ष नेता ने सीवान के लोगों को बहादुर बताया, जिन्होंने शहाबुद्दीन के आगे कभी घुटने नहीं टेके। अमित शाह ने कहा कि 20 सालों से, ए–श्रेणी का हिस्ट्रीशीटर शहाबुद्दीन, जिसके खिलाफ लगभग 75 मुकदमे, दो बार जेल की सज़ा, तिहरे हत्याकांड, एक एसपी पर हमला... उसने एक व्यवसायी के बेटों को तेज़ाब में तब तक नहलाया जब तक उनकी खाल नहीं उतर गई। सीवान के बहादुर लोगों ने शहाबुद्दीन के आगे कभी घुटने नहीं टेके। शहाबुद्दीन के बेटे को खुद लालू प्रसाद यादव ने रघुनाथपुर से टिकट दिया है। अब, नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के राज में, चाहे 100 शहाबुद्दीन आ जाएँ, कोई आपका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी दल पूरी तरह बिखर गया है। रैली के दौरान उन्होंने कहा कि बिहार और देश के अन्य हिस्सों में एक भी घुसपैठिए को नहीं रहने दिया जाएगा। अमित शाह ने कहा, राहुल गांधी कहते हैं कि सीवान में घुसपैठियों को रहने दिया जाना चाहिए... मैं आप सभी से वादा करता हूँ कि अगर आप एनडीए को वोट देंगे, तो हम देश से हर घुसपैठिए को निकाल देंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि बिहार 14 नवंबर को श्असली दिवालीश मनाएगा, जब लालू के बेटे को चुनावों में अपमानजनक हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने श्जंगल राजश का अंत किया है। उन्होंने पूरे बिहार को जंगल राज से मुक्त कराया और 20 साल बाद भी हम नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही ये चुनाव लड़ रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि वह सीवान के लोगों को नमन करना चाहते हैं क्योंकि 20 साल तक सीवान की इस धरती ने लालू–राबड़ी सरकार के श्जंगलराजश को बर्दाश्त किया है। उन्होंने कहा, ष्सीवान ने अराजकता, हत्या और अन्य अपराधों को बर्दाश्त किया, लेकिन यहाँ के लोग झुके नहीं और जंगलराज के खिलाफ लड़े।ष इससे पहले दिन में, बिहार में राजद के जंगल–राज की आलोचना करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने श्जंगल राजश को ष्सुशासनष में बदल दिया और अब समय आ गया है कि पूरे बिहार में सुशासन को समृद्धि में बदला जाए।

आंध्र प्रदेश में एक यात्री बस में आग लगने से 20 लोगों की मौत

कुरनूल,एजेंसी। आंध्र प्रदेश में कुरनूल जिले के कल्लूरुमंडल के चिन्नातेकुर गाँव में शुक्रवार तड़के सड़क दुर्घटना में एक निजी यात्री बस में आग लग जाने से उसमें सवार 20 यात्रियों की मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि बस में 38 यात्री सवार थे। बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। उन्होंने बताया कि बस ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे बस का तेल टैंक क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। उन्होंने बताया कि प्राप्त जानकारी के अनुसार 20 यात्री ज़िंदा जल गए और 11 शवों की पहचान हो गई है। ज़्यादातर शव इतने जल गए थे कि उनकी पहचान करना मुश्किल था। हालांकि, 19 यात्री सुरक्षित बच गए। उन्होंने बताया कि यह हादसा सुबह 3:30 से चार बजे के बीच हुआ। सभी शवों को बस से निकाल लिया गया है और अधिकारी मृतकों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ घायलों को कुनरूल के जीजीएच में भर्ती कराया गया। मृतकों में बाइक सवार भी शामिल है। जिला कलेक्टर, पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुँच गए है।

कुरनूल बस अग्निकांड में 20 की मौत, कई लोगों ने कूदकर बचाई जान

कुरनूल, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के कुरनूल ज़िले के चिन्नातेकुर के पास शुक्रवार सुबह एक निजी ट्रैवल बस में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। इनमें से 18 यात्रियों की जीवित पहचान हो गई है। पुलिस ने बताया कि कई शव पूरी तरह से जल चुके थे, जिससे पहचान मुश्किल हो रही थी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह घटना तड़के लगभग 3:30 बजे हुई। बस और

दोपहिया वाहन की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई जिसने देखते ही देखते पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग पहले बस के अगले हिस्से में लगी और फिर तेज़ी से फैल गई। जैसे–जैसे आग बढ़ती गई, 12 यात्री आपातकालीन द्वार तोड़कर किसी तरह बच निकले और मामूली रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए कुरनूल सरकारी अस्पताल ले जाया गया। दुर्घटना के समय इलाके में भारी बारिश हो रही थी, जिससे टक्कर होने की संभावना है। आग में बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। अधिकारी आग लगने के कारणों की जाँच कर रहे हैं। इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुई दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि से अत्यंत दुखी हूँ। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएँ प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

मीसा भारती का पीएम पर हमला: बिहार का विकास नहीं, सिर्फ परिवार पर आरोपों की राजनीति करते हैं मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मीसा भारती ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह सरकारी खर्च पर चुनावी रैलियों के लिए बिहार आते हैं, लेकिन राज्य के विकास के बारे में कभी कुछ नहीं बोलते। दानापुर में पत्रकारों से बात करते हुए, भारती ने प्रधानमंत्री पर बिहार के विकास से जुड़े मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय केवल उनके परिवार पर निशाना साधने पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया। राजद नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकारी खर्च पर चुनावी रैलियों के लिए बिहार आते हैं। क्या आपने उन्हें कभी बिहार के बारे में बोलते सुना है? वह केवल हमारे परिवार और मेरे पिता पर आरोप लगाते हैं। उनके पास बिहार के लिए कोई विजन नहीं है। भारती ने बिहार में तथाकथित डबल इंजन

सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले दो दशकों में राज्य में कोई बड़ा उद्योग स्थापित नहीं हुआ है। उन्होंने पूछा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है।

'थार शक्ति' अभ्यास देख राजनाथ का पाक को कड़ा संदेश: दुस्साहस किया तो करारा जवाब

जैसलमेर, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को जैसलमेर के लोंगेवाला के पास तनोट माता मंदिर का दौरा किया और पूजनीय मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित की। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने 1965 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान द्वारा श्री तनोट राय माता मंदिर परिसर पर गिराए गए बिना फटे बमों को देखा, जो उल्लेखनीय रूप से फटे नहीं थे। यात्रा के बाद, सिंह ने लोंगेवाला सीमा पर चल रहे थार शक्ति अभ्यास का अवलोकन किया। राजस्थान अभ्यास थार शक्ति एक भारतीय सेना का अभ्यास है जो रेगिस्तानी इलाकों में भूमि–आधारित

युद्ध पर केंद्रित है। गुरुवार को, सिंह ने जैसलमेर में शौर्य वन का उद्घाटन किया, जिसके बाद उन्होंने 1971 के भारत–पाक युद्ध संग्रहालय का भी दौरा किया। सिंह ने शौर्य वन के मुख्य आकर्षण को भी देखा। शौर्य वन थार रेगिस्तान में एक नया प्रकाश और ध्वनि शो है प्रकाश एवं ध्वनि शो जैसलमेर स्थित 1971 भारत–पाक संग्रहालय में आयोजित किया जाता है। इस बीच, जैसलमेर में बड़ाखाना के दौरान सैनिकों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि ष्पाकिस्तान अब भारत के खिलाफ कोई भी दुस्साहस करने से पहले दो बार सोचेगा क्योंकि हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान उन्हें कड़ी चेतावनी दी है। यह दोहराते हुए कि ऑपरेशन खत्म नहीं हुआ है, बल्कि रुका हुआ है, रक्षा मंत्री ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर उसने कोई दुस्साहस किया तो उसे और भी कठोर जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे पायलटों ने पाकिस्तान के सामने भारत की ताकत का केवल एक प्रदर्शन किया है। अगर मौका मिला, तो वे हमारी असली ताकत का प्रदर्शन करेंगे।

प्रयागराज एक्सप्रेस में खिड़की का शीशा तोड़कर अंदर घुसे यात्री, खिड़की के रास्ते जनरल कोच में घुसे

प्रयागराज। पर्व मनाने के बाद वापसी करने वाले यात्रियों की बृहस्पतिवार की शाम प्रयागराज जंक्शन पर खूब भीड़ उमड़ी। नई दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस प्लेटफार्म पर लगी तो उसके जनरल कोच में बैठने के लिए यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। पर्व मनाने के बाद वापसी करने वाले यात्रियों की बृहस्पतिवार की शाम प्रयागराज जंक्शन पर खूब भीड़ उमड़ी।

नई दिल्ली जाने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस प्लेटफार्म पर लगी तो उसके जनरल कोच में बैठने के लिए यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। तमाम यात्री जनरल कोच की इमरजेंसी खिड़की के रास्ते जनरल कोच में घुसे। इस दौरान महिला यात्रियों को खासी फजीहत हुई। यूं तो आरपीएफ ने जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों की लाइन लगवाई थी, लेकिन वॉशिंग लाइन से ट्रेन के प्लेटफार्म एक पर पहुंचते ही उसमें बैठने के लिए लोग टूट पड़े। जनरल कोच में चढ़ने की आपाधापी के बीच कुछ यात्रियों ने शीशा भी तोड़ दिया। खिड़की पर लगी लोहे की रॉड भी टेढ़ी कर दी गई। तमाम यात्री उसी के रास्ते अंदर घुसे। इस दौरान सुरक्षाकर्मी भी बेबस हो गए। भीड़ के आगे किसी की एक न चली।

रोडवेज चालक की हत्या में चौकी इंचार्ज के बाद थाना प्रभारी पर गिरी गाज, हुए निलंबित

प्रयागराज। मुंडेरा चुंगी पेट्रोल पंप के पास ईंट मारकर रोडवेज चालक रावेंद्र कुमार उर्फ मुन्नू की हत्या के मामले में टीपी नगर चौकी प्रभारी राजेश कुमार चौबे के बाद अब धूमनगंज थाना प्रभारी अमरनाथ राय को भी निलंबित कर दिया गया है। साथ ही कर्नलगंज थाना प्रभारी राजेश उपाध्याय को धूमनगंज का चार्ज सौंपा गया है। वहीं, हत्या में नामजद आरोपी हसैनन, नुरैन, अली, कामरान, इरफान, हुसैन व कैफ पर पुलिस ने 25–25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है।

हत्याकांड के तीन दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने सख्त रुख अपनाया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सात टीमों का गठन किया गया है। इसमें एडीसीपी, एसीपी से लेकर कई थाना के प्रभारियों को शामिल किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें परिजनों और रिश्तेदारों से लगातार पूछताछ कर रहीं हैं। बृहस्पतिवार को भी पुलिस की एक टीम ने मरियाडीह स्थित आरोपी के घर समेत अन्य जगहों पर दबिश दी लेकिन आरोपियों का कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस अफसरों का कहना है कि फरार आरोपियों को अपने घर में पनाह देने वालों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

धूमनगंज थाना प्रभारी अमरनाथ राय को लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित किया गया है। साथ ही फरार सात नामजद आरोपियों पर 25–25 हजार का इनाम घोषित किया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। अगर कोई आरोपियों को अपने घर या फिर किसी अन्य स्थान पर छिपने का ठिकाना देता है तो उसके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

– जोगेंद्र कुमार, पुलिस आयुक्त

विद्यालय में शिक्षक को पीटने वाले अली ने रोडवेज चालक को मारी थी ईंट

प्रयागराज। रोडवेज चालक रावेंद्र कुमार उर्फ मुन्नू की हत्या करने के मामले में पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। जांच में पता चला कि अगस्त 2024 में पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के एक विद्यालय में शिक्षक की पिटाई करने वाले अली अहमद ने ही रावेंद्र पर ईंट से हमला किया था। पूर्व में भी आरोपी के खिलाफ मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। घटना के बाद पुलिस को 43 सेकंड का एक सीसीटीवी फुटेज मिला है। इसमें दिख रहा है कि रावेंद्र पर पत्थरबाजी हो रही है। तभी एक ईंट उसके गर्दन के पास लगी। इसके बाद जब वह भागने लगा तो पीछे से एक और पत्थर मारा गया जो सीधे उसके सिर पर लगा। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस जांच में पता चला कि ईंट मारने वाला मरियाडीह निवासी अली अहमद है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें मोबाइल लोकेशन के आधार पर लगातार दबिश दे रही हैं। डीसीपी मनीष शांडिल्य ने बताया कि फरार आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शिक्षक ने दर्ज कराई थी अली समेत दो पर एफआईआर

कौशाम्बी चायल के रहने वाले शिक्षक विनय कृष्ण पांडेय ने मरीयाडीह निवासी अली अहमद और उसके एक दोस्त पर मारपीट और धमकी देने के आरोप में पूरामुफ्ती थाने में केस दर्ज कराया था। उन्होंने पुलिस को बताया था कि छह अगस्त 2024 को विद्यालय के ही अली अहमद व एक अन्य छात्र अपने कक्षा में बैठे विद्यार्थियों को परेशान कर रहे थे। इसी बीच अध्यापिका भी मौके पर आ गईं। दोनों को समझाने–बुझाने लगे तो अली व उसके दोस्त ने गाली गलौज कर पिटाई कर दी। इस घटना से पूरे विद्यालय में भय का माहौल हो गया। आरोपी छात्रों ने बाहर निकलने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

सोरांव पुलिस ने 10 बोरी गांजा के साथ दो को पकड़ा

प्रयागराज। सोरांव इलाके के भावापुर टोल प्लाजा के निकट बृहस्पतिवार भोर सोरांव पुलिस ने डंपर के केबिन से दस बोरी गांजा बरामद किया। पुलिस ने चालक समेत दो को गिरफ्तार कर लिया। बरामद गांजे की कीमत 20 से 25 लाख रुपये बताई जा रही है। बिहार के जनपद भोजपुर थाना कृष्णगढ़ फरादा के रहने वाले आशीष पांडेय आरा जिले से डंपर की केबिन में 10 बोरी गांजा रखकर विजय कुमार निवासी कौशाम्बी के साथ प्रयागराज सप्लाई देने जा रहा था। सोरांव पुलिस टीम ने भावापुर टोल प्लाजा के निकट हाईवे पर दबोच लिया।

सोरांव प्रभारी निरीक्षक केशव वर्मा ने बताया कि बिहार के आरा से गांजा लाकर राजेश सोनकर व आशुतोष मिश्र प्रयागराज जनपद में गांजा की थोक सप्लाई करते थे। सोरांव पुलिस ने आशीष व विजय कुमार को पकड़ लिया। इनके कब्जे से दो क्विंटल 34 किलो गांजा बरामद किया है। जिसकी बाजार में 20 से 25 लाख कीमत बताई जा रही है। पुलिस आशुतोष व राजेश सोनकर की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

राज्य कर की डिप्टी कमिश्नर पर योगी सरकार ने लिया ऐक्शन, श्रद्धा कुमारी को किया सस्पेंड

सिविल लाइंस में मीडिया कर्मी की चाकू मारकर हत्या, एक आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज के सिविल लाइंस इलाके में मीडिया कर्मी की चाकू मारकर हत्या से सनसनी फैल गई। पुलिस ने मुठभेड़ में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पैर में गोली लगी है।

सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में हर्ष होटल के पास बृहस्पतिवार की रात मीडियाकर्मी एलएन सिंह (48) की चाकू से गोद कर हत्या कर दी गई। वारदात के दौरान हमलावरों ने एक दर्जन से अधिक बार चाकू से वार किए। इसके बाद धूमनगंज थाना क्षेत्र में नेहरू पार्क के समीप हत्यारोपी से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। इस दौरान आरोपी के पैर में चार गोली लगी है। उसे एसआरएन में भर्ती कराया गया है।

मूलरूप से बलिया के रहने वाले एलएन सिंह पिछले कई साल से धूमनगंज में परिवार के साथ रहते थे। वह एक निजी चैनल से जुड़े हुए थे। रात करीब 10.30 बजे वह सिविल लाइंस के जीएचएस रोड के पास गए थे। तभी वहां पर साहिल नाम के युवक से विवाद हो गया। इसके बाद साहिल के दोस्त विशाल समेत अन्य ने एलएन सिंह पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। घटना में वह बुरी तरह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें एसआरएन अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

खून से लथपथ हुई सड़क

आरोपियों ने इतनी बेरहमी से घटना को अंजाम दिया की सड़क खून से लथपथ हो गई। प्रत्यक्षदर्शी सुमित समेत अन्य लोगों ने बताया कि एलएन सिंह कई बार यहां पर आया करते थे। रात को अचानक किसी से विवाद हुआ। शोर शराबे के बाद देखा कि एलएन सिंह खून से लथपथ सड़क पर गिरे पड़े हैं।

एक दिन पहले हुआ था विवाद

पुलिस जांच में सामने आया कि एलएन सिंह का एक दिन पहले भी किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इन लोगों की आपस में रंजिश चल रही थी। बृहस्पतिवार रात जब एलएन सिंह गए तो फिर से विवाद शुरू हो गया। तभी रंजिश के चलते आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया।

खुल्दाबाद से खरीदा था चाकू

पुलिस पूछताछ में आरोपी विशाल ने बताया कि उसने खुल्दाबाद के मछली मंडी के पास से चाकू खरीदा था। चाकू खरीदने के लिए उसने 80 रुपये खर्च किए थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने स्वीकार किया कि साहिल से लड़ाई होने के बाद उसने ही चाकू से घटना को अंजाम दिया है।

मृतक और आरोपियों के बीच एक दिन पहले भी किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। घटना के बाद नेहरू पार्क में आरोपी के संग पुलिस की मुठभेड़ भी हुई है। इसमें मुख्य आरोपी के पैर में चार गोली लगी है, अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। – डॉ. अजय पाल शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त, प्रयागराज

नैनी में कच्ची दीवार ढहने से वृद्धा की मौत, दो नाती घायल, रात में सोते समय हुआ हादसा

प्रयागराज। मुंगारी गांव में बृहस्पतिवार रात कच्ची दीवार ढहने से कमरे में सो रही एक वृद्धा की मौत हो गई, जबकि उसके दो नाती मलबे में दबकर घायल हो गए। घटना से घर में कोहराम मच गया।

मुंगारी गांव में बृहस्पतिवार रात कच्ची दीवार ढहने से कमरे में सो रही एक वृद्धा की मौत हो गई, जबकि उसके दो नाती मलबे में दबकर घायल हो गए। घटना से घर में कोहराम मच गया। शोर सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हुए और मलबे में दबे लोगों को निकाल कर समीप के एक निजी अस्पताल में ले गए। जहां इलाज के दौरान वृद्धा की मौत हो गई और बच्चों का इलाज चल रहा है।

औद्योगिक थाना क्षेत्र के मुंगारी गांव के कोहराना बस्ती में 60 वर्षीय गीता देवी पत्नी कन्हैया लाल और उसके दो नाती यश पुत्र संजय व शुभम पुत्र संजय सो रहे थे। देर रात मकान की कच्ची दीवार ढह गई, जिससे उसमें सो रहे सभी लोग मलबे में दब गए। घटना से चीख पुकार होने लगी। शोर सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र होकर मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाला और समीप के एक निजी अस्पताल में ले गए, जहां गंभीर रूप से घायल गीता देवी की इलाज के दौरान मौत हो गई।

उनकी मौत की खबर सुनकर गांव में कोहराम मच गया। उनके दोनों नातियों का अभी भी अस्पताल में है। घटना की जानकारी पुलिस को शुक्रवार की सुबह दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की। एसओ औद्योगिक क्षेत्र विपिन कुमार पाल का कहना है कि लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को नहीं दी थी। सुबह जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर गई थी। वृद्धा की मौत हो चुकी है और उसके दोनों नाती का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। वह खतरे से बाहर बताए जाते हैं।

प्रयागराज को मिलेगी पांचवीं वंदे भारत, पांच घंटे में पहुंचेंगे खजुराहो

प्रयागराज। प्रयागराज को जल्द ही एक और वंदे भारत एक्सप्रेस मिलने वाली है। इसका संचालन वाराणसी से खजुराहो के बीच होगा। इससे प्रयागराज से खजुराहो का सफर महज पांच घंटे में पूरा होगा। ट्रेन सुबह 8.05 बजे चलेगी और दोपहर 1.10 बजे खजुराहो पहुंचेगी।

प्रयागराज को जल्द ही एक और वंदे भारत एक्सप्रेस मिलने वाली है। इसका संचालन वाराणसी से खजुराहो के बीच होगा। इससे प्रयागराज से खजुराहो का सफर महज पांच घंटे में पूरा होगा। ट्रेन सुबह 8.05 बजे चलेगी और दोपहर 1.10 बजे खजुराहो पहुंचेगी। ट्रेन चार धार्मिक स्थलों चित्रकूट, प्रयागराज, विंध्याचल और वाराणसी को जोड़ेगी।

इसकी समय–सारिणी जारी कर दी गई है। संगम नगरी में इस ट्रेन का दोनों ओर से प्रयागराज छिवकी में ठहराव होगा। वाराणसी से यह ट्रेन सुबह 5.25 बजे चलकर 6.55–6.57 बजे विंध्याचल पहुंचेगी। प्रयागराज छिवकी में

इसका आगमन–प्रस्थान सुबह 8.00–8.05 बजे होगा। यहां से चलने के बाद ट्रेन चित्रकूट धाम में सुबह 10.05–10.07 बजे रूकेगी।

इसके बाद 11.08–11रू10 बजे बांदा, 12.08–12.10 बजे महोबा और दोपहर 1.10 बजे ट्रेन खजुराहो पहुंचेगी। वापसी में खजुराहो से ट्रेन की रवानगी दोपहर 3.20 बजे होगी। महोबा में शाम 4.18–4.20 बजे, बांदा में शाम 5.13–5.15 बजे एवं चित्रकूट में इसका आगमन–प्रस्थान शाम 6.13–6.15 बजे होगा।

रात 8रू20–8रू25 बजे ट्रेन प्रयागराज छिवकी, रात 9रू10–9रू12 बजे विंध्याचल एवं रात 11 बजे वंदे भारत ट्रेन वाराणसी पहुंच जाएगी। वाराणसी–खजुराहो वंदे भारत के संचालन को लेकर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने खजुराहो के सांसद विष्णुदत्त शर्मा को पत्र भेजकर बताया है उक्त ट्रेन के परिचालन को स्वीकृति दे दी गई है। बता दें कि वाराणसी–खजुराहो वंदे भारत का संचालन शुरू होने के बाद प्रयागराज के खाते में कुल पांच वंदे भारत हो जाएगी। अभी चार वंदे भारत प्रयागराज जंक्शन के रास्ते संचालित हो रही है। अब यह पांचवीं वंदे भारत छिवकी के रास्ते चलेगी।

जेसीबी चालक से रोज छह हजार रुपये की वसूली का ऑडियो वायरल, दरोगा निलंबित

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र में जेसीबी चालक से रोज छह हजार रुपये की वसूली का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर दरोगा वीरेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही अन्य पुलिस कर्मियों की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी गई। डीसीपी गंगानगर के आदेश पर कार्रवाई की गई है। सोशल मीडिया पर बृहस्पतिवार को 4.40 मिनट के वायरल ऑडियो में बातचीत के दौरान दरोगा कह रहा कि इससे कम में थाना प्रभारी मान नहीं रहे हैं। मामला पुलिस अधिकारियों के संज्ञान में आने पर प्रारंभिक जांच की गई तो पता चला कि यह ऑडियो नवाबगंज थाना क्षेत्र में तैनात वीरेंद्र सिंह का है। इसके बाद तत्काल प्रभाव से दरोगा को निलंबित कर दिया गया। वहीं, थाना प्रभारी पर लगाए गए आरोप की भी विभागीय जांच शुरू कर दी गई है। जांच एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह को सौंपी गई है।

तेज बुखार से हनुमानगंज में दो महिलाओं समेत तीन की मौत

प्रयागराज। हनुमानगंज के बहादुरपुर विकास खंड के सरायलाहुरपुर और लोढ़वा गांव में बुखार से दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। एक दर्जन से अधिक ग्रामीण निजी अस्पतालों में अपना इलाज करा रहे हैं। परिजनों का कहना है कि चिकित्सक ने डेंगू बताया था। उनके प्लेटलेट्स बहुत कम हो गए थे। हालांकि, जिला मलेरिया अधिकारी का कहना है कि उन्हें डेंगू से मौत की कोई जानकारी नहीं है। पोर्टल पर अभी कोई अपडेट नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि तकरीबन दो सप्ताह से गांव में बड़ी संख्या में लोग बुखार की चपेट में हैं। दस दिन पहले सराय लाहुरपुर गांव की मीरा सिंह (35) पत्नी धर्मेंद्र सिंह, तुलसीराम भारतीया (61) और लोढ़वा गांव की सितारा (60) पत्नी मंसूर की मौत हो गई। सितारा की मौत के बाद उसका पति मंसूर भी दो दिन बाद बीमार पड़ गया। इसी प्रकार सराय लाहुरपुर गांव की सुमन सिंह पत्नी अनिल सिंह की तबीयत ज्यादा खराब होने पर परिजन उन्हें वेदांता अस्पताल लखनऊ ले गए हैं।

गांव निवासी डॉ. चंद्र भूषण सिंह ने बताया कि एक ही परिवार के इंद्र बहादुर सिंह, पत्नी गायत्री देवी तथा पुत्री प्रियंका एवं सुधा सिंह पत्नी रमेश सिंह भी तेज बुखार की चपेट में हैं जिनका इलाज निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके अलावा तेज बुखार की चपेट में आए गांव के ही सुरेंद्र सिंह, आशा, पूनम सिंह, महेंद्र सिंह, सुमन, धीरेंद्र का इलाज क्षेत्र के निजी अस्पतालों में चल रहा है। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटवा एट बनी के अधीक्षक डॉ. मनीष मौर्य ने बताया कि जानकारी होने पर टीम गई थी। जिन लोगों की मृत्यु हुई है उनके परिजन डेंगू पॉजिटिव की रिपोर्ट नहीं दिखा सके हैं। कई लोग वायरल फीवर की चपेट में हैं जो अपना इलाज करा रहे हैं। गांव में एहतियातन दवा का छिड़काव करा दिया गया है। वहीं, जिला मलेरिया अधिकारी आनंद सिंह ने कहा कि उनके पास किसी भी मरीज की डेंगू से मौत की जानकारी नहीं है।

दो दिन बाद डाला छठ का पूजन और झूंसी के स्नान घाटों पर पर शिल्ट जमा, आक्रोश

प्रयागराज। तीन दिवसीय डाला छठ पर्व नजदीक है। लेकिन, झूंसी के स्नान घाटों पर भारी गंदगी और शिल्ट जमा है। इससे पूर्वांचलियों के साथ ही अन्य लोगों में भारी असंतोष व्याप्त है। झूंसी की विभिन्न आवासीय कॉलोनियों में हजारों की संख्या में पूर्वांचल व बिहार के लोग रहते हैं। इस दफे कई बार आए बाढ़ ने झूंसी के छतनाग स्थित स्नान घाटों की दशा बिगाड़ कर रख दी है। बाढ़ का पानी उतरे तो कई दिनों हुए लेकिन अब तक घाट पर जमा गंदगी और शिल्ट को नहीं हटाया गया है। छतनाग के ज्ञानगंगा और नागेश्वर घाट पर भारी गंदगी एवं शिल्ट के जमा होने से भीषण बदबू भी उठ रही है। दो दिन बाद डाला छठ का पूजन भी इसी घाट पर होना है जहां भारी संख्या में व्रती महिलाएं एवं उनके परिजन जुटेंगे लेकिन अब तक नगर निगम ने इन घाटों पर सफाई अभियान की शुरूआत तक नहीं की है। इस बारे में नगर निगम झूंसी के जोनल अधिकारी सुदर्शनचंद्रा ने बताया कि छतनाग घाट पर सफाई अभियान बृहस्पतिवार को पूरा हो गया है। शुक्रवार से अन्य घाटों पर सफाई अभियान चलाया जाएगा। छठ पूजन से पहले सभी घाट दुरुस्त कर दिए जाएंगे।

परानीपुर के ढोलबजवा में मजदूर ने फंदे पर लटककर दी जान

प्रयागराज। मेजा के परानीपुर के ढोलबजवा बस्ती में बृहस्पतिवार को मजदूर ने घर के अंदर पंखे में रस्सी का फंदा बांधकर उसपर झूल गया। खेत में मजदूरी कर लौटी पत्नी ने दरवाजा खोला तो उसे घटना की जानकारी हुई। घर में कोहराम मचा हुआ है। संतोष कुमार दलित (35) मजदूरी कर गुजर बसर करता था। उसकी पत्नी प्रीति बृहस्पतिवार को खेत में मजदूरी करने गई थी। घर में पांच बच्चों के साथ संतोष था। दोपहर में संतोष ने कमरे को अंदर से बंद कर पंखा के सहारे फांसी के फंदे से झूल गया। बताया जाता है कि संतोष अपने माता–पिता का इकलौता बेटा था। माता–पिता का पहले ही निधन हो चुका है। संतोष को चार बेटी और एक बेटा है।

घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची जेवनिया पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मेजा थाने के इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह ने बताया कि संतोष क्यों आत्महत्या की? यह पता नहीं चल पाया है। घटना की जांच–पड़ताल की जा रही है।

देश, समाज का नाम रोशन करेंगी सम्मानित प्रतिभाएं : न्यायमूर्ति

प्रयागराज। पांच दिवसीय दीपोत्सव के क्रम में गुरुवार को यम द्वितीया का पर्व श्रद्धा, उल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर चित्रगुप्तजी व कलम–दवात का विधिविधान से पूजन किया गया। कायस्थ पाठशाला की ओर से केपी कम्यूनिटी सभागार में प्रतिभा सम्मान समारोह हुआ। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अजीत कुमार और अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों ने 10वीं से लेकर परास्नातक तक के मेधावियों को पदक और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। सम्मानित होने वाले छात्र–छात्राओं में पल्लवी श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, अक्षत श्रीवास्तव, उर्वी श्रीवास्तव आदि शामिल रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि पुरस्कृत प्रतिभाएं न केवल अपने विद्यालय बल्कि परिवार, समाज व देश को नाम भी रोशन करेंगी।

छात्र–छात्राएं ध्रुव और भक्त प्रह्लाद की कहानियों से प्रेरणा लें। स्वागत केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष चौधरी राघवेन्द्र नाथ सिंह और आभार ज्ञापन केपी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र सिंह ने किया। सम्मान समारोह से पूर्व केपी कम्युनिटी के पास स्थित चित्रगुप्त मंदिर में पं. अवधेश कुमार श्रीवास्तव के आचार्यत्व में मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक कलम–दवात और चित्रगुप्त का पूजन–अर्चन किया गया। मुख्य यजमान केपी ट्रस्ट के अध्यक्ष चौधरी राघवेन्द्र नाथ सिंह और केपी ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह ने हवन–पूजन कर विश्व कल्याण व कायस्थ पाठशाला की समृद्धि की कामना की। केपी ट्रस्ट के प्रवक्ता अनिल कुमार श्रीवास्तव, एसडी कौटिल्य, रवि श्रीवास्तव, कुलदीप नारायण श्रीवास्तव, अजय कुमार सोनू, रमेश श्रीवास्तव,प्रशांत श्रीवास्तव, शिव कृष्ण श्रीवास्तव, अजय खरे आदि मौजूद रहे। चित्रगुप्त वंशज सभा ने मेधावियों को किया पुरस्कृत चित्रगुप्त वंशज सभा से संबद्ध स्वामी विवेकानंद समिति की ओर से तिलक नगर अल्लापुर स्थित एक होटल में सामूहिक कलम–दवात पूजन और सम्मान समारोह होगा। मुख्य अतिथि पूर्व जिलाधीश अरुण श्रीवास्तव ने मेधावियों पुरस्कृत किया। महामंत्री डॉ. सचिन प्रकाश के अनुसार, पुरस्कृत मेधावियों में 12वीं के पुलकित सहाय, पुलकित श्रीवास्तव, आद्रिका श्रीवास्तव, लेखिका श्रीवास्तव, दर्शिका श्रीवास्तव, देवांश रंजन और नव्या श्रीवास्तव रहे। साथ ही 10वीं आरुष कृष्ण, हार्दिक अस्थाना, आर्या श्रीवास्तव, वेदांत सिन्हा और पर्निका स्वरूप शामिल रहे। साथ ही चित्रकला प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

श्री रामशाला कुटी विकास ट्रस्ट के प्रबन्ध समिति का गठन संपन्न

संजय अध्यक्ष व आलोक त्रिपाठी महामंत्री चुने गए प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को होगी समिति की बैठक

प्रतापगढ़। बिहार विकास खंड के चकवड ग्राम पंचायत स्थित अति प्राचीन श्री राम शाला कुटी के प्रबन्धन व विकास हेतु ग्राम वासियों द्वारा काफी विचार बिमार्श करके प्रबन्ध समिति का गठन किया गया। तय हुआ की श्री राम शाला कुटी विकास ट्रस्ट के प्रबन्ध समिति की बैठक प्रति माह के प्रथम रविवार को होगी। सर्व सम्मति से मुख्य संरक्षक की जिम्मेदारी नरेंद्र रंजन सिंह को

मिली। सामाजिक कार्यकर्ता व लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की अध्यक्षता व नरेंद्र रंजन सिंह के संयोजन में सर्व सम्मति से ग्राम वासियों ने श्री राम शाला कुटी विकास ट्रस्ट के प्रबन्ध समिति का गठन बृहस्पतिवार को किया गया। जिसमे अध्यक्ष संजय प्रताप सिंह व महामंत्री के रूप में आलोक त्रिपाठी को जिम्मेदारी दी गई। उपाध्यक्ष (संगठन) योगेश कुमार पांडेय को व अखिलेश प्रताप सिंह उपाध्यक्ष (कार्यक्रम) के रूप में चुने गए। कोषाध्यक्ष के रूप में धीरज चंद्र त्रिपाठी तथा सह कोषाध्यक्ष के रूप में अभय प्रताप सिंह को जिम्मेदारी मिली। सुनील शर्मा को मंत्री (संगठन) व मंत्री (कार्यक्रम) के रूप मे सुधीर मौर्य की जिम्मेदारी दी गई। उप मंत्री (संगठन) के रूप में अजय सिंह व उप मंत्री (कार्यक्रम) सोम प्रताप सिंह को चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में फूल चंद्र चौरसिया, पन्ना लाल रजक, राम सजीवन विश्व कर्मा रमेश चंद्र सोनी व लल्लन रजक को जिम्मेदारी दी गई। मुख्य संरक्षक नरेंद्र रंजन सिंह के संयोजन में पांच सदस्यीय संरक्षक मंडल का गठन हुआ जिसमे राम दुलारे त्रिपाठी शिव संपत्ति सिंह, कालिका प्रसाद त्रिपाठी व विनोद कुमार गोपाल तिवारी को जिम्मेदारी दी गई। उपस्थित जन समूह व ग्राम वासियों द्वारा पुजारी प्रदीप त्रिपाठी व विनय पांडेय के कार्यो की सराहना करते हुए सभी से भागीदारी की अपील की गई। प्रसिद्ध कवि जन कवि प्रकाश जी व विवेक सुमन शर्मा ने अपनी रचनाओ से सभी को ओत प्रोत किया।

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पॉवर एवं ट्रैफिक ब्लॉक के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण एवं मार्ग परिवर्तन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
03697	गया-दिल्ली	13.12.2025
03698	दिल्ली-गया	14.12.2025
64904	गाजियाबाद-मथुरा	13.12.2025
64903	मथुरा-गाजियाबाद	14.12.2025
64582	दिल्ली-हाथरस किला	13.12.2025
64581	हाथरस किला-दिल्ली	14.12.2025
64102	दिल्ली-अलीगढ़	20.12.2025
64101	अलीगढ़-दिल्ली	21.12.2025

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण

गाड़ी सं.	स्टेशन से - स्टेशन तक	स्टेशनों के मध्य आंशिक निरस्त	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
64103	अलीगढ़-दिल्ली	गाजियाबाद-दिल्ली	14.12.2025
64104	दिल्ली-दनकौर	दिल्ली-गाजियाबाद	14.12.2025
64101	अलीगढ़-दिल्ली	गाजियाबाद-दिल्ली	14.12.2025
64111	खुर्जा-शकूर बस्ती	गाजियाबाद-शकूर बस्ती	14.12.2025
64152	दिल्ली-अलीगढ़	दिल्ली-गाजियाबाद	14.12.2025

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी सं.	स्टेशन से-स्टेशन तक	परिवर्तित मार्ग वाया	स्टेशनों पर ठहराव नहीं रहेगा	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
15657	दिल्ली-कामाख्या	दिल्ली-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद	----	13.12.2025
20434	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा-सूबेदारगंज	आदर्श नगर दिल्ली-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद	दिल्ली	13.12.2025
12312	कालका-हावड़ा	आदर्श नगर दिल्ली-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद	दिल्ली	13.12.2025
18102	जम्मू तवी-टाटानगर	आदर्श नगर दिल्ली-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद	दिल्ली	13.12.2025
15484	दिल्ली-अलीपुर द्वार	दिल्ली-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद	दिल्ली शाहदरा	14.12.2025
12324	बाड़मेर-हावड़ा	दिल्ली छावनी-दिल्ली सराय रोहिल्ला-नई दिल्ली-तिलक ब्रिज-साहिबाबाद	दिल्ली	13.12.2025
15707	कटिहार-अमृतसर	साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-सब्जी मण्डी	दिल्ली शाहदरा, दिल्ली	12.12.2025
14217	प्रयागराज संगम-चण्डीगढ़	साहिबाबाद-हजरत निज़ामुद्दीन-दिल्ली सफदरजंग-आदर्श नगर दिल्ली	दिल्ली	13.12.2025
15658	कामाख्या-दिल्ली	साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-दिल्ली	----	12.12.2025
14117	प्रयागराज-भिवानी	साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-दिल्ली किशनगंज	दिल्ली शाहदरा, दिल्ली	13.12.2025
15743	बालुरघाट-बठिण्डा	साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-शकूर बस्ती	दिल्ली शाहदरा, दिल्ली	12.12.2025
12225	आजमगढ़-दिल्ली	साहिबाबाद-तिलक ब्रिज-नई दिल्ली-दिल्ली	----	13.12.2025
03309	धनबाद-जम्मू तवी	साहिबाबाद-हजरत निज़ामुद्दीन-दिल्ली सफदर जंग-आदर्श नगर दिल्ली	दिल्ली	13.12.2025

नोट:- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1969/25(A)

ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

स्पोर्टिंग क्लब भगेसर ने जीता प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच

प्रयागराज। तहसील क्षेत्र कोरांव के अंतर्गत गाँवसभा भगेसर के मां बसंती देवी गंगा प्रसाद शिक्षा सेवा समिति विद्यालय के क्रीड़ा स्थल पर आयोजित तीन दिवसीय ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता का शुक्रवार को शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए),प्रयागराज से संबद्ध एवं मान्यता प्राप्त है। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कोरांव विधायक राजमणि कोल ने फीता काटने के पश्चात खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष अखिलेश पांडेय ने मुख्य अतिथि महोदय को बैच व माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच मेजबान स्पोर्टिंग क्लब भगेसर और गुरुद्वारा क्लब कोरांव के बीच खेला गया। जिसमें स्पोर्टिंग क्लब भगेसर ने गुरुद्वारा क्लब कोरांव को 25 – 22 व 25 – 19 अंकों से हराकर ओपेन वॉलीबाल प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच जीत लिया। प्रतियोगिता के दौरान मुकेश शुक्ला, असफाक अहमद, संतोष कुमार, रजनीश तिवारी ने निर्णायक की भूमिका अदा की। इसके पूर्व खेले गए अन्य मैचों में युवा क्लब भगेसर ने वॉलीबाल क्लब अमिलिया पाल को, के.डी.सिंह क्लब ने गुरुद्वारा क्लब कोरांव को, स्पोर्टिंग क्लब भगेसर ने वॉलीबाल क्लब नगई का पूरा को, भास्कर क्लब महेवा मांडा ने एडीए क्लब नैनी को हराकर अगले चक्र में प्रवेश किया। मेजबान ग्राम प्रधान भगेसर बमभोले सिंह पटेल ने मुख्य अतिथि महोदय को स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र भेंटकर उनका अभिनन्दन किया। प्रतियोगिता में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा मंडल अध्यक्ष कोरांव बबुआन द्विवेदी को आयोजन सचिव चंद्रिका प्रसाद द्विवेदी ने बैच व माल्यार्पण कर स्वागत किया। उक्त अवसर पर जोधिका प्रसाद पांडेय, योगेश पांडेय, लालता शुक्ला, जीतनारायन मिश्रा, एसोसिएशन के वॉलीबाल ब्लॉक प्रभारी कोरांव रितेश तिवारी, राकेश पांडेय, आशुतोष सिंह, शशी द्विवेदी, उमाकांत द्विवेदी, मुकेश पांडेय, रजोल तिवारी, अमर मिश्रा, सुशील पांडेय, विपिन पांडेय, वेद प्रकाश पांडेय, अखिलेश पांडेय, रमेश हरिजन, इंद्रजीत मिश्रा, धनानंद यादव, अनिल मिश्रा सेवई व राजपाल निषाद आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

पत्रकार पर हमला तो क्या सुरक्षित है लोकतंत्र के स्तंभः उत्तर प्रदेश पत्रकार कल्याण परिषद

प्रयागराज। शासन प्रशासन और आम जनमानस के बीच एक धुरी का कार्य करने वाले लोकतंत्र के मजबूत स्तंभों में से एक स्तंभ पत्रकारिता से जुड़े लोगों में इन दिनों डर की भावना पैदा हो गई है इस पेशे से जुड़े लोग सही मानो में अब स्वतंत्र रूप से अपने कार्य नहीं कर पा रहे हैं? यह एक गंभीर विषय है।

बीते कुछ वर्षों में देश के अलग–अलग हिस्सों में पत्रकारों पर हमला मामूली बात हो गई है इतना ही नहीं कई जगहों पर पत्रकारिता से जुड़े लोगों को सलाखों में भी भेजा गया ये अलग बात है की अदालत में उनके ऊपर लगे मुकदमे फर्जी पाए गए लेकिन यह तमाम बातें इशारा कर रही है कि समाज को आईना दिखाने वाले भी अपराधियों के निशाने पर आ चुके हैं खासकर ऐसे पेशेवर अपराधियों के जो बड़े स्तर पर नशे का कारोबार करते हैं सट्टा जुआ खिलाते हैं अवैध खनन में लिप्त है और नाजायज वसूली करते हैं यही लोग अपने गुर्गों से इसलिए पत्रकारों को निशाना बनाते हैं ताकि उनकी खबर चलाने, दिखाने या लिखने से पूर्व उनके अंदर दहशत बनी रहे जरूरत है ऐसे पेशेवर अपराधियों को चिन्हित कर उन पर कठोरतम कार्रवाई करने की। आशा ही नहीं पूर्ण रूप से विश्वास है की उत्तर प्रदेश शासन अति शीघ्र प्रदेश के समस्त जिलों के अफसर को निर्देश देगा कि इस तरह के कार्य में लिप्त लोगों के खिलाफ अभियान चलाकर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए गौर तलब है कि जिस जिले में इस तरह

का अवैध कारोबार चल रहा है वहां से अपराध रोकने के नाम पर बना विशेष पुलिस बल के लोग मोटी रकम वसूल रहे हैं. ? और उनके संरक्षण में ही प्रत्येक जिले में विशेष कर प्रयागराज में इस तरह के कार्य खूब फल फूल रहे हैं इसकी गोपनीय जांच कराई जाए इसके अलावा शासन पत्रकारों की सुरक्षा हेतु विशेष व्यवस्था करें जिससे भय मुक्त होकर पत्रकार अपने कार्य को कर सके क्योंकि पत्रकारिता से जुड़े लोगों में अब इस बात का संदेश चला गया है कि जब पत्रकार पर हमले में वृद्धि हो रही है तो क्या लोकतंत्र का स्तंभ सुरक्षित है..?

उत्तर प्रदेश पत्रकार कल्याण परिषद पत्रकार की हत्या की कड़ी निंदा करता है परिषद शीघ्र समस्त पदाधिकारी की एक आवश्यक बैठक कर प्रदेश सरकार से एक प्रतिनिधि मंडल मिलकर यह मांग करेगा पत्रकारों की सुरक्षा का यथाशीघ्र इंतजाम किया जाए इन पर हमला करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

लोकपाल समाज शेखर ने देवगलपुर का किया औचक भ्रमण व निरीक्षण

शिकायत कर्ता व प्रधान प्रतिनिधि तथा ग्रामीणों से किया संवाद

पूर्व माध्यमिक विद्यालय के निर्माणाधीन अधूरे बाउंड्री का लिया जायजा

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने बिहार विकास खंड के देवगल पुर का भ्रमण व औचक निरीक्षण किया। निर्माणाधीन पूर्व माध्यमिक विद्यालय देववर पुर की बाउंड्री का लिया जायजा लिया। ग्रामीणों , शिकायत कर्ता व प्रधान प्रतिनिधि से बयान लिया और संवाद किया। वहीं लोकपाल ने ग्राम स्थित प्रसिद्ध शिव धाम स्थित देवगल नाथ महादेव का दर्शन पूजन किया।

लोकपाल समाज शेखर को पूर्व माध्यमिक विद्यालय की बाउंड्री के अधूरे कार्यो के संबंध में ग्राम पंचायत ने बताया की बाउंड्री निर्माण कराया जा रहा था अराजक तत्व द्वारा कुछ हिस्सा गिरा दिया गया था जिसके सम्बन्ध में प्राथमिक सूचना दर्ज हुई है। भुगतान भी अधूरा है भुगतान पाते ही कार्य पूर्ण कराया जा सकेगा। जिस पर लोकपाल ने इस कार्य के पूरे मामले की आख्या खंड विकास अधिकारी से तलब करने का निर्णय लिया।

लोकपाल समाज शेखर ने ग्राम के सर्वेश शुक्ल व अशोक शुक्ल के शिकायतों के निस्तारण के संबंध में ग्राम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लोकपाल ने ग्राम पंचायत को निर्देश दिया की अधूरे बाउंड्री के कार्य को यथाशीघ् पूर्ण कराया जाए जिससे इसका समुचित उपयोग विद्यालय व ग्राम वासी कर सके। लोकपाल ने ग्राम वासियों से संवाद किया। ग्राम के अशोक शुक्ल आदि ग्रामीणों ने बताया की फर्जी तरीके से बिना कार्य किये ही मजदूरों के नाम पर लगातार भुगतान हो रहा है जबकि कार्य होता ही नही या जेसीबी आदि से कराया जाता है। जिस पर लोकपाल ने मजदूरों के सत्यापन हेतु संबंधित खंड विकास अधिकारी व अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करने का निर्णय लिया।

लोकपाल समाज शेखर ने ग्राम स्थित प्रसिद्ध देवगल नाथ महादेव का दर्शन पूजन किया और ग्राम के प्राकृतिक व सार्वजनिक संसाधनों का अवलोकन किया और मनरेगा योजना से संरक्षण व विकसित किये जाने का सुझाव दिया।

महोत्सव में युवा लोक कलाकार पारम्परिक गीतों की प्रस्तुतियों से बांधेंगे समां

करछना। क्षेत्र के बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर में 27 अक्टूबर से आयोजित 27 वें सप्त दिवसीय जमुनापार महोत्सव में युवा लोक कलाकार पारंपरिक गीतों की प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। इस दौरान वरिष्ठ लोक कलाकार रामबाबू यादव के संयोजन और इंद्रजीत यादव के संचालन में 28 अक्टूबर को मोहिनी श्रीवास्तव,राम सुचित गोलू,दीपेश कुमार बबलू,बिभव शंकर,कृष्ण कुमार सत्यार्थी,दिलीप चौधरी,रेनू रोशनी, मोनू मस्ताना,बबलू दीवाना,चन्द्रभान,शनी विश्वकर्मा बृजेश तिवारी,सत्यवान कुमार,सहित कई युवा कलाकार महोत्सव मंच पर अपनी प्रस्तुतियां देंगे ।सप्त दिवसीय महोत्सव के दौरान जहां मुख्य रूप से 7 दिन सुनिए राम कथा का आयोजन किया जा रहा है ।वहीं यमुनापार क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों से आई छात्र प्रतिभाओं के बीच वाद विवाद,निबंध, लोक नृत्य,लोक गायन और रंगोली की प्रतियोगिताएं भी विभिन्न दिवसों पर आयोजित की गई है ।महोत्सव के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने क्षेत्रीय जनमानस से सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होकर आयोजन को गौरवान्वित करने और महोत्सव को सफल बनाने की अपील की है।

ब्रह्म कमल का जन्म

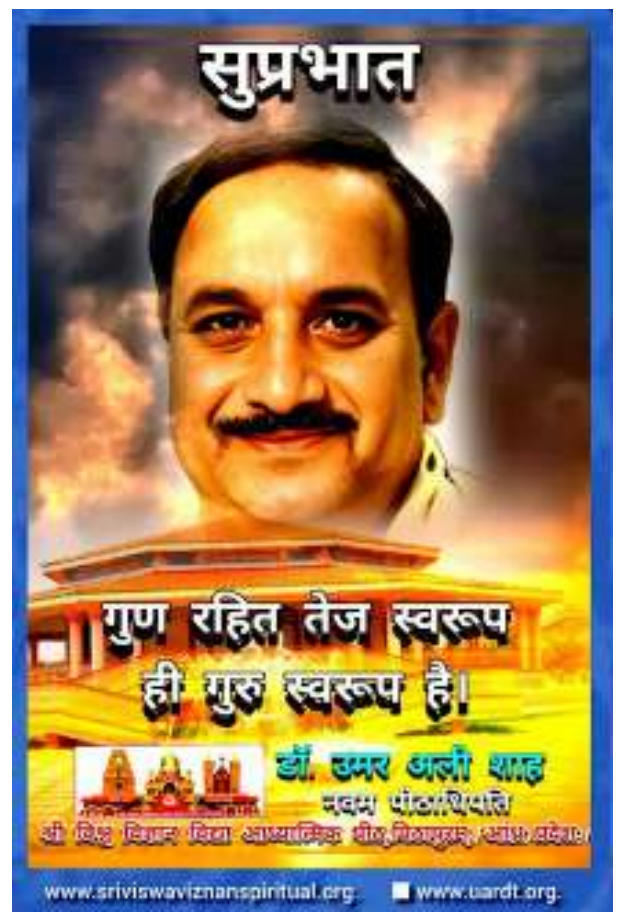

(कुण्डलिया)

आस्था श्रद्धा शान्ति का, निर्मल दिव्य प्रतीक।
'ब्रह्म कमलश कहते जिसे, लगे बहुत रमणीक।
लगे बहुत रमणीक, खिलें पर्वत के ऊपर।
रातों का सौन्दर्य, महकते हैं यह जमकर।
सुन लो कहें प्रदीप,फूल की ग़ज़ब व्यवस्था।
ब्रह्मा विष्णु महेश, सभी पर इसकी आस्था।।

ब्रह्मा के ही अश्रु से, 'ब्रह्म कमलश का जन्म।
पौराणिक है यह कथा, कहते नाना धर्म।
कहते नाना धर्म, फूल की बात निराली।
हिन्दू यूनानी बौद्ध, धर्म इसके बिन खाली।
सुन लो कहें प्रदीप, देकर हुआ अचम्भा।
अति सुन्दर यह फूल, जुड़ा है हरि, हर– ब्रह्मा।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

राज्य ललित कला अकादमी की कलाआचार्य प्रदर्शनी संचरण का भव्य उद्घाटन 25 अक्टूबर को

प्रयागराज। राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में कला आचार्य प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रयागराज के मा० जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि केंद्रीय ललित कला अकदेमी के क्षेत्रीय सचिव देवेंद्र त्रिपाठी क` कर–कमलों से 25 अक्टूबर को प्रातः 11रू00 बजे गांधी कला विथिका में होगा। इस प्रदर्शनी का शानदार संयोजन इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के दृश्यकला विभाग के

असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ सचिन सैनी ने किया है। आचार्य प्रदर्शनी के संरक्षक राज्य ललित कला अकाडमी के सदस्य कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा हैं।

उत्तर मध्य क्षेत्र संस्कृति केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा एवं राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ सुनील विश्वकर्मा ने बताया कि नौ जिलों के इंटरमीडिएट, डिग्री कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों के 55 कला आचार्यों की शानदार पेंटिंग्स इस प्रदर्शनी में दर्शकों का मन मोह लेंगी। इस प्रदर्शनी के आयोजन समिति में शामिल डॉ अनीता वर्मा, रश्मि विश्वकर्मा, आशुतोष त्रिपाठी एवं पूनम कुशवाहा का अतुलनीय योगदान रहा।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना संख्या : एनसीआर-सीएच-एलपी-04-2025 दिनांक : 22.10.2025

ई-निविदा सूचना

चिकित्सा निदेशक, केन्द्रीय चिकित्सालय प्रयागराज, भारत के राष्ट्रपति की ओर से 08.11.2025 को 13:00 बजे निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र पर सिंगल पैकेट सिस्टम द्वारा ई-निविदा आमंत्रित करते है, निविदा का विवरण इस प्रकार है:-

निविदा संख्या: एनसीआर-सीएच-एलपी-04-2025, कार्य का नाम: केन्द्रीय चिकित्सालय, उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज में वर्ष 2025-27 (दो वर्ष) की अवधि के लिए सर्जिकल एवं कन्जुमेबल आइटम की खुदरा आपूर्ति हेतु नया पंजीकरण।	
कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 38,75,090.00	बयाना की राशि: ₹ 77,500.00
पूर्णता अवधि : 24 माह	निविदा खुलने की तिथि : 08.11.2025

नोट: (1) सभी निविदाकर्ताओं को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किया जायेगा। (2) निविदा प्रस्ताव को सिंगल पैकेट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन किया जायेगा। (3) उपरोक्त ई-निविदा की निविदा दस्तावेज सहित पूरी जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की नियत तिथि अर्थात 08.11.2025 को 13:00 तक उपलब्ध है। (4) उपरोक्त निविदा के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियाँ स्वीकार नही की जायेंगी। इस प्रयोजन के लिए विक्रेताओं को आईटी अधिनियम 2000 के तहत सीसीए द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ आईआरईपीएस वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत कराना आवश्यक है। (5) वित्तीय दर पृष्ठ पर दी गयी है और विधिवत डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित दरों पर विचार किया जायेगा। यदि विक्रेताओं द्वारा किसी अन्य फर्म/लेटर हेड में दरें और कोई अन्य वित्तीय इकाई संलग्न की जाती है, तो उसे सीधे नजरअंदाज कर दिया जायेगा और उस पर विचार नहीं किया जायेगा। (6) यह निविदा सूचना http://www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी अपलोड की गयी है। (7) किसी भी कठिनाई के मामले में IREPS की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्प डेस्क से संपर्क किया जा सकता है। (8) निविदा ऑनलाइन दिनांक 08.11.2025 को 13:00 तक प्रस्तुत की जा सकती है।

1979/25 (MG)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

आत्मघात की नादानी

यह शर्मसार करने वाली बात है कि दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में हो रही है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। दिल्ली में एक्यूआई का स्तर पौने चार सौ के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाना कई इंजनों वाली सरकारों और समाज की सामूहिक विफलता को ही दर्शाता है। बताते हैं कि दिल्ली की आबोहवा पिछले पांच सालों के सबसे खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। मजबूरी की स्थिति में दिल्ली सरकार को ग्रैप–2 की सख्त नीतियां लागू करनी पड़ी हैं। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप–2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है। बहरहाल, कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि बच्चों और बुजुर्गों पर इस संकट का कितना नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा होगा। देश में लाखों लोग श्वास संबंधी रोगों के कारण जीवन गंवा रहे हैं। सवाल यह है कि इस संकट को दूर करने के लिए, जो ग्रैप–2 सिस्टम लागू किया जाता है, क्या उसे इस संकट के हर साल आने की स्थिति को देखते हुए पहले से नहीं लागू किया जा सकता? धूल को उड़ने से रोकने और हवा में प्रदूषण कम करने के लिए पानी का छिड़काव क्या शेष महीनों में नहीं किया जाता? अब ट्रैफिक को नियंत्रित करने की बात की जा रही है ताकि सिग्नल पर गाड़ियां ज्यादा देर खड़ी न हों, जिससे प्रदूषण अधिक नहीं हो। आखिर क्यों हम सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को दुरुस्त नहीं करते ताकि सड़कों पर निजी वाहनों की संख्या को कम किया जा सके? कहा जा रहा है कि इलेक्ट्रिक वाहन भी प्रदूषण की दृष्टि से निरापद नहीं हैं। सीएनजी गाड़ियों को प्रोत्साहन को लेकर भी बड़े नीतिगत सुधार नहीं किए जा सके हैं। इसके बावजूद, सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि जब तक लोगों को यह अहसास नहीं होगा कि त्योहार के नाम पर जमकर जहरीले पटाखे छुड़ाना एक आत्मघाती कदम है, तब तक कोर्ट और सरकार के प्रयास विफल ही साबित होंगे। इसके लिए देश के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों को साझी पहल करनी होगी। यह संकट सिर्फ दिल्ली या एनसीआर का नहीं है, मुंबई, कोलकाता आदि अनेक महानगरों के घातक प्रदूषण की चपेट में आने की खबरें हैं।

कानून का इकबाल

डॉ. दीपक पाचपोर

मेरठ में विकुल चपराणा ने इसी मानसिकता का प्रदर्शन सत्यम रस्तोगी को अपशब्द कहने में किया। श्री रस्तोगी ने इस अपमान को बर्दाश्त किया, क्योंकि वहां खड़ी पुलिस भी इस तमाशे को देखती रही।

सत्ता के नशे में आम आदमी के अधिकारों को कैसे कुचला जा रहा है इसका ताजा उदाहरण उत्तरप्रदेश के मेरठ से सामने आया है। मंगलवार को मेरठ के एक व्यापारी सत्यम रस्तोगी अपने मित्र के साथ रात को खाने पर एक होटल पहुंचे, जहां एक स्थानीय भाजपा नेता के साथ पार्किंग को लेकर उनका विवाद हुआ। जिसके बाद उस नेता ने व्यापारी को न केवल अपशब्दों से अपमानित किया, बल्कि जमीन पर नाक रगड़ कर माफी मंगवाई। इस पूरे वाकये का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, हालांकि इसे देखकर आम लोगों में नाराजगी और दुख का जो भाव व्यापक पैमाने पर उभरना चाहिए था, जो नजर नहीं आया। संभवतरू जनता ने इस बात को स्वीकार कर लिया है कि सत्ता पर बैठे लोगों के करीबियों या पुलिस प्रशासन के पास यह ताकत है कि वह कानून अपने हाथ में लें, सही–गलत की परवाह न करके आम लोगों के साथ अपमानजनक व्यवहार करें। जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। लोगों में अपने हक के लिए आवाज उठाने की हिम्मत होनी चाहिए। संविधान में यह हिम्मत मौलिक अधिकारों के तौर पर परिभाषित है। ये मौलिक अधिकार हरेक नागरिक को समानता, सम्मान और गरिमा का जीवन सुनिश्चित करते हैं। मगर ये अधिकार तभी कायम रहेंगे और अपना असर दिखाएंगे, जब जनता ही यह मान लेगी कि मेरठ जैसी घटनाएं तो आम हैं, तब तो मौलिक अधिकारों के कमजोर होने और उसके साथ संविधान के अप्रासंगिक होने के खतरे और बढ़ जाएंगे। मेरठ का जो वीडियो वायरल हुआ, उसमें विकुल चपराणा नाम का भाजपा नेता पुलिस की मौजूदगी में व्यापारी सत्यम रस्तोगी से जमीन पर नाक रगड़वाते और गालियां देते देखा जा सकता है। यह वही भाजपा है जिसने प्रधानमंत्री की मां को कहे गए अपशब्द पर बिहार बंद करवाया था, और राहुल गांधी के रायबरेली आने पर रास्ता जाम कर उनका काफिला रोका था। प्रधानमंत्री की मां को जब अपशब्द कहे गए, तब राहुल गांधी वहां थे भी नहीं, फिर भी उनके खिलाफ जी भर के अपमानजनक टिप्पणियां की गईं। खुद नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे को भुनाते हुए बात को छठी मईया तक ले गए। उन्हें लगता है कि इस तरह बिहार में भाजपा को चुनावी फायदा होगा। लेकिन स्त्री का अपमान या स्त्रियों के नाम पर कहे गए अपशब्द चुनावी लाभ–हानि से कहीं अधिक गंभीर मसला है। यह व्यक्ति की निकृष्ट मानसिकता को जाहिर करता है। मेरठ में विकुल चपराणा ने इसी मानसिकता का प्रदर्शन सत्यम रस्तोगी को अपशब्द कहने में किया। श्री रस्तोगी ने इस अपमान को बर्दाश्त किया, क्योंकि वहां खड़ी पुलिस भी इस तमाशे को देखती रही। पुलिस ने आम आदमी के अधिकार की रक्षा का अपना दायित्व पूरा नहीं किया। एक और वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुलिस अधिकारी ही व्यापारी पर माफी मांगने का दबाव बना रहे हैं। पीड़ित सत्यम रस्तोगी ने बताया कि मैंने सिर्फ पार्किंग मांगी थी, लेकिन मंत्री का नाम लेकर धमकी दी गई। एसआई साहब ने भी माफी मांगने को कहा, वरना कार जब्त हो जाएगी। इसलिए अपमान सहना पड़ा। इस बयान से जाहिर है कि पुलिस भी सत्ता के चाकर की तरह व्यवहार करने लगी है, जबकि उसे आम जन के रक्षक की तरह होना चाहिए। बता दें कि भाजपा नेता विकुल खुद को ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर का भाई बताता रहा और हंगामा करता रहा। विकुल चपराणा ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में बतौर छात्र नेता अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत पांच साल पहले की और जल्द ही गुर्जर समाज में अपनी पकड़ मजबूत की। इसके बाद विकुल चपराणा उत्तर प्रदेश सरकार के गुर्जर समाज से आने वाले ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर का करीबी बन बैठा। विकुल ने मेरठ, गाजियाबाद और आसपास के जिलों में गुर्जर समाज को एकजुट करने की मुहिम चलाई। कई बार भाजपा के कार्यक्रमों और अभियानों में उसे मंच साझा करते हुए भी देखा गया है। ऊर्जा मंत्री के दम पर विकुल की पंचायत चुनाव में प्रबल दावेदारी मानी जा रही है। लेकिन इस घटना ने हालात बदल दिए हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ और कुछ लोगों ने इस मामले की आलोचना की, तो मेरठ के एसएसपी ने एसआई, हेड कांस्टेबल और एक कांस्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया। वहीं केस दर्ज कर विकुल चपराणा को गिरफ्तार किया गया, हालांकि अब उसे जमानत भी मिल गई है। जिन डॉ. सोमेंद्र तोमर का नाम लेकर विकुल हंगामा कर रहा था, उन्होंने कहा कि योगी की सरकार है, इसमें जांच के बाद दोषी को सजा मिलेगी। उन्होंने ये भी कहा कि भाजपा बहुत बड़ी पार्टी है, समर्थक भी बहुत हैं, जो भी मामला है, उस पर पुलिस अपनी जांच कर रही है। मगर ये भी देखना होगा कि ऐसे हालात क्यों बने।

जनता की भागीदारी के बिना 'स्वदेशी' का नारा सिर्फ नारा ही रहेगा

विनीत नारायण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधनों में 'वोकल फॉर लोकल' और 'हर घर स्वदेशी' की अपील के जरिए आम जनता से भारतीय वस्तुओं को अपनाने का आग्रह किया है। इसका उद्देश्य आर्थिक आत्मनिर्भरता, देशी उद्योगों व रोजगार बढ़ाना और भारत के आर्थिक स्वावलंबन की...प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधनों में 'वोकल फॉर लोकल' और 'हर घर स्वदेशी' की अपील के जरिए आम जनता से भारतीय वस्तुओं को अपनाने का आग्रह किया है। इसका उद्देश्य आर्थिक आत्मनिर्भरता, देशी उद्योगों व रोजगार बढ़ाना और भारत के आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में एक मजबूत कदम उठाना है। इस अभियान के जरिए देशभर में युवाओं, महिलाओं,व्यापारियों सहित सभी वर्गों को जोडने का प्रयास किया जा रहा है। जिसमें 20,000 से अधिक 'आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान',1,000 से ज्यादा मेले और 500 'संकल्प रथ' यात्राएं आयोजित करने का भाजपा का कार्यक्रम है। भाजपा और संघ के कार्यकर्त्ता इन दिनों इस 'स्वदेशी' अभियान को मजबूती से आगे बढ़ाने में जुटे हैं। अगले तीन महीने में वे लोगों को भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करेंगे। जिससे आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए स्वदेशी व स्वावलंबन के ऐतिहासिक अभियान को फिर से स्थापित किया जा सके। इसी क्रम में पिछले दिनों एक दीवाली मेले के दौरान दक्षिण दिल्ली के महरौली और वसंत कुंज क्षेत्र के भाजपा विधायक गजेंद्र यादव ने उपस्थित जन समुदाय से स्वदेशी को अपनाने की अपील की। विडंबना देखिए कि जिस मंच से यादव पूरी गंभीरता से ये अपील कर रहे थे उसी मंच के सामने, मेले के आयोजकों ने, चीन के बने खिलौनों की दुकानें सजा रखी थीं और विदेशी कारों के दो मॉडलों को इस मेले में बिक्री के लिए रखवाया हुआ था। आम जीवन में ऐसा विरोधाभास हर जगह देखने को मिलेगा। क्योंकि पिछले चार दशकों में शहरी भारतवासी अपने दैनिक जीवन में ढेरों विदेशी उत्पाद प्रयोग करने का आदी हो चुका है। फिर भी भाजपा का हर सांसद, विधायक और कार्यकर्ता इस अभियान को उत्साह से चला रहा है। उनका ये प्रयास सही भी है क्योंकि दीपावली पर देश भर के हिंदुओं द्वारा भारी मात्रा में खरीदारी की जाती है। पिछले दो दशकों से क्रमशरू चीनी माल ने भारत के बाजारों को अपने उत्पादनों से पाट दिया है। दीवाली पर लक्ष्मी पूजन के लिए गणेश–लक्ष्मी जी के विग्रह अब चीन से ही बन कर आते हैं। पटाखे और बिजली की लडियां भी अब चीन से ही आती हैं। इसी तरह राखियां, होली के रंग, पिचकारी, जन्माष्टमी के लड्डू गोपाल व अन्य देवताओं के विग्रह भी वामपंथी चीन बना कर भेज रहा है जो भगवान के अस्तित्व को ही नकारता हैं। ये कितनी शर्म और दुर्भाग्य की बात है। इससे हमारे कारीगरों और दुकानदारों के पेट पर गहरी लात पड़ती है। उधर अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लागू की गईं बेहूदा आयात शुल्क दरों को देखकर भी हमें जागना होगा। हमें अपने उपभोग की तरीकों को बदलना होगा। इसलिए जहां तक संभव हो हम भारत में निर्मित वस्तुओं का ही प्रयोग करें। किसी भी अभियान को प्रचारित करना आसान होता है जोकि अखबारों और टी.वी. विज्ञापनों के जरिए किया जा सकता है। पर उस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि देश की जनता ने उसे किस सीमा तक आत्मसात किया। अब मोदी जी के 'स्वच्छ भारत अभियान' को ही ले लीजिए। जितना इस अभियान का शोर मचा और प्रचार हुआ उसका 5 फीसदी भी धरातल पर नहीं उतरा। भारत के किसी भी छोटे बड़े शहर, गांव या कस्बे में चले जाइए तो आपको गंदगी के अंबार पड़े दिखाई देंगे। इसलिए इस अभियान का निकट भविष्य में भी सफल होना संभव नहीं लगता। क्योंकि जमीनी चुनौतियां ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। स्वदेशी अभियान की सफलता भी जन–जागरण, सतत् निगरानी और व्यवहार परिवर्तन पर निर्भर करती है। अगर आम नागरिक इसमें सक्रिय भूमिका निभाएं तभी यह आंदोलन सफल होगा।निरूसंदेह 'स्वच्छ भारत अभियान' मोदी जी की एक प्रशंसनीय पहल थी। पहली बार किसी प्रधान मंत्री ने हमारे चारों ओर दिनों–दिन जमा होते जा रहे कूड़े के ढेरों की बढ़ती समस्या के निस्तारण का एक देश व्यापी अभियान छेड़ा था। उस समय बहुत से नेताओं, फिल्मी सितारों, मशहूर खिलाडियों व उद्योगपतियों तक ने हाथ में झाड़ू पकड़ कर फोटो खिंचवा कर इस अभियान का श्रीगणेश किया था। पर सोचें आज हम कहां खड़े हैं?शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी सफाई व्यवस्था बनाना अब भी एक बड़ी चुनौती है। कचरा पृथक्करण, पुनरू उपयोग और रीसाइक्लिंग की जागरूकता में अपेक्षाकृत कमी दिखती है। कुछ जगहों पर शौचालयों के रख–रखाव, जलापूर्ति और व्यवहार परिवर्तन को लेकर समस्याएं बनी हुई हैं। इसलिए अभियान के उद्देश्य और जमीनी सच्चाई में अंतर बना हुआ है और अनेक स्थानों पर पुराने तरीकों का पालन अब भी हो रहा है।

बस कपड़ा खाना मिल जाए...तो बेहतर है
जीने का बहाना मिल जाए ...तो बेहतर है

रोज रोज की दौड़–धूप.....हम ऊब चुके
अब कहीं ठिकाना मिल जाए.. तो बेहतर है

नए– नए सब रिश्ते हमको... खाए जाते हैं
इक दोस्त पुराना मिल जाए... तो बेहतर है

चकाचौंध सी लगती है..... इस दुनिया में
बचपन का जमाना मिल जाए ...तो बेहतर है

अम्मा,बाबा,खेल–खिलौने..आँगन खुला खुला
बस यही खजाना मिल जाए... तो बेहतर है

नहीं समझ ..है.. इस दुनिया में कैसे रहना है
इक बड़ा सयाना मिल जाए तो बेहतर है

पंकज श्रीवास्तव

दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को लगे पंख

प्रह्लाद सबनानी

वैसे तो प्रतिवर्ष ही भारत में धनतेरस एवं दीपावली के शुभ अवसर पर भारतीय नागरिकों द्वारा विभिन्न उत्पादों विशेष रूप से स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की खरीद को शुभ माना जाता है। अतः इस त्यौहारी मौसम में विभिन्न उत्पादों की भारत में बिक्री बहुत बढ़ जाती है। परंतु, इस वर्ष तो केंद्र सरकार द्वारा लिए गए कुछ निर्णयों के चलते भारतीय बाजार में सोने एवं चांदी सहित विभिन्न उत्पादों की बिक्री में बेतहाशा वृद्धि दर्ज हुई है। केंद्र सरकार द्वारा आयकर योग्य राशि की सीमा को बढ़ाकर 12 लाख कर दिया गया है। यदि आज किसी नागरिक की आय 12 लाख रुपए तक प्रतिवर्ष है तो उसकी आय पर आयकर नहीं लगने वाला है। साथ ही, वस्तु एवं सेवा कर की दरों को भी तर्कसंगत बनाया गया है जिसे जीएसटी2.0 का नाम दिया जा रहा है। अब 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर केवल 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दर से ही वस्तु एवं सेवा कर लागू होगा। पूर्व में, 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरें लागू होती थी। अब 12 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत की दरों को समाप्त कर दिया गया है। इससे उपभोक्ताओं को वस्तु एवं सेवा कर की दरों में लगभग 10 प्रतिशत तक का लाभ मिला है। चार पहिया वाहनों पर तो लगभग 60–70,000 रुपए प्रति वाहन तक की बचत हुई है। इस तरह, इस वर्ष दीपावली के त्यौहारी मौसम में भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़े हुए उपभोग का सहारा मिला है। भारतीय इतिहास में, दीपावली के त्यौहारी मौसम में, इस वर्ष सबसे अधिक रिकार्ड कारोबार सम्पन्न हुआ है। भारत में नागरिक अब बाजार में दुकानों पर आकर उत्पादों की पूछ परख कर ही उत्पादों की खरीद करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी कारण से इस वर्ष के दीपावली त्यौहारी मौसम में भारतीय बाजारों में दुकानों पर बहुत अधिक भीड़ दिखाई दी है। कनफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) द्वारा सम्पन्न किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत के 35 नगरों के वितरण केंद्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष लगभग 5.4 लाख करोड़ रुपए का व्यापार दीपावली के त्यौहारी मौसम में सम्पन्न हुआ है। वर्ष 2021 में इसी त्यौहारी मौसम में 1.25 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2022 में 2.50 लाख करोड़ रुपए, वर्ष 2023 में 3.75 लाख करोड़ रुपए एवं वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न हुआ था। इस वर्ष अभी आगे आने वाले समय में गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ एवं तुलसी विवाह आदि त्यौहार भी उत्साह पूर्वक मनाए जाने हैं। ऐसा अनुमान किया जा रहा है कि इस वर्ष इस दौरान भी लगभग 80,000 करोड़ रुपए का व्यापार सम्पन्न होने की प्रबल सम्भावना है। इस प्रकार इस वर्ष भारत में त्यौहारी मौसम में कुल व्यापार का आंकड़ा 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने की प्रबल सम्भावना है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में सम्पन्न हुए व्यापार के आंकडें की तुलना में 41 प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष भारत के नागरिकों में स्वदेशी उत्पाद खरीदने की होड़ सी रही हैं। इसी प्रकार, एक अनुमान के अनुसार, इस वर्ष धनतेरस त्यौहार के दौरान सोने चांदी के गहनों, सिक्कों एवं अन्य वस्तुओं के कारोबार का स्तर भी 60,000 करोड़ रुपए के आसपास रहा है। बाजार में हालांकि इस वर्ष सोने एवं चांदी के भाव आसमान छू रहे हैं। वर्ष 2024 की दीपावली पर सोने का भाव लगभग 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था, जो इस वर्ष बढ़कर 130,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, अर्थात लगभग 62 प्रतिशत अधिक। चांदी का भाव भी वर्ष 2024 में 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम था जो इस वर्ष बढ़कर 180,000 रुपए प्रति किलोग्राम हो गया है, अर्थात लगभग 83 प्रतिशत अधिक। एक अन्य अनुमान के अनुसार, दीपावली के इस त्यौहारी मौसम में भारत में स्वर्ण एवं चांदी के आभूषणों की कुल मिलाकर 1.35 लाख करोड़ रुपए की बिक्री हुई है। भारतीय बाजारों में लगभग 46 टन सोने की बिक्री हुई है। दीपावली के पावन पर्व पर इस वर्ष 600,000 वाहन एक दिन में बिके हैं। यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। इससे यह भी सिद्ध हो रहा है कि है कि भारतीय अर्थव्यवस्था बहुत ही तेज गति से आगे बढ़ रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प कह रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था डेड है, भारतीय अर्थव्यवस्था में लगातार तेज हो रही विकास दर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयानों को झुठला रही है। वित्तीय वर्ष 2025–26 की प्रथम तिमाही, अप्रैल–जून 2025, में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.3 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है। जबकि, द्वितीय तिमाही जुलाई–सितम्बर 2025 में एवं तृतीय तिमाही अक्टोबर–दिसम्बर 2025 में भी भारतीय अर्थव्यवस्था के रिकार्ड स्तर पर आर्थिक विकास दर हासिल करने की संभावनाएं प्रबल हो गई हैं। भारत में द्वितीय तिमाही में प्रारम्भ हुए त्यौहारी मौसम (दुर्गा उत्सव, दशहरा, धनतेरस एवं दीपावली, आदि) में विभिन्न उत्पादों की रिकार्ड वृद्धि दर्ज होती हुई दिखाई दी है। यह प्रवाह तीसरी तिमाही में भी जारी रहने की प्रबल सम्भावना दिखाई दे रही है क्योंकि त्यौहारी मौसम अभी इस अवधि में भी जारी रहेगा जो 25 दिसम्बर (क्रिसमस) एवं 31 दिसम्बर (नव वर्ष) तक जारी रहेगा। साथ ही, शादियों का मौसम भी आने वाला है, इस मौसम में भारत में लाखों की संख्या में शादियां सम्पन्न होती हैं, और शादियों के इस मौसम में विभिन्न उत्पादों (स्वर्ण, चांदी, कार, टीवी, रेफ्रीजरेटर, एसी, आदि) की मांग में बेतहाशा वृद्धि दर्ज होती है। इस बीच भारत में धार्मिक पर्यटन भी अपने उच्चत्तम स्तर पर पहुंच गया है। अयोध्या, वाराणसी, चार धाम, वैष्णो देवी, महाकाल मंदिर, तिरुपति बालाजी, मीनाक्षी मंदिर आदि में लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारत में लगातार बढ़ रहे धार्मिक पर्यटन से भी उत्पादों का उपभोग बढ़ रहा है, जो अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक हो रहा है एवं रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित कर रहा है। भारत में अब देश में ही निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, इस कार्य में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी अपनाने की अपील पर भारतीय नागरिक अपना भरपूर सहयोग कर रहे हैं। भारत में ही निर्मित उत्पादों के उपभोग का स्तर सकल घरेलू उत्पाद के 60–70 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इसी कारण से भारत को देशीय उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था कहा जा रहा है। भारत में आंतरिक उपभोग के लगातार मजबूत होने के चलते भारत अब दुनिया के कई देशों के निवेशकों के लिए निवेश के केंद्र के रूप में उभर रहा है, क्योंकि भारत की 140 करोड़ आबादी इन निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। भारत में ही निर्मित किए जाने वाले उत्पादों के लिए भारत में ही बहुत बड़ा बाजार उन्हें उपलब्ध है। आगे आने वाले समय में भारत के वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक का विदेशी निवेश भारत में आने जा रहा है। अमेरिकी कम्पनी ऐपल अपना पूरा उत्पादन सिस्टम भारत में ला रहा है एवं स्मार्ट मोबाइल फोन का भारत में उत्पादन कर उसे विश्व के अन्य देशों को भारत से निर्यात किया जाएगा। भारत के विशाल बाजार को देखते हुए आज विश्व के कई देश भारत के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न करने के लिए लालायित दिखाई दे रहे हैं। भारत का अभी हाल ही में ओमान, कतर, यूनाइटेड किंगडम और यूरोप के चार देशों के साथ द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता सम्पन्न हुआ है। यूरोपीयन यूनियन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौता के सम्बंध में वार्ताएं सफलता पूर्वक आगे बढ़ रही हैं एवं इसके शीघ्र ही सम्पन्न होने की सम्भावना है।

दिवाली पर खुशी मुखर्जी का बीच सड़क ड्रामा, उठा-उठाकर फेंके दुकानदारों के पटाखे तो एक व्यक्तिबोला-ये मार खाकर जाएगी

टीवी और सोशल मीडिया की पॉपुलर एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। अक्सर अपने बोल्ड अंदाज और बयानों के लिए सुर्खियों में रहने वाली खुशी इस बार अपने गुस्से भरे व्यवहार की वजह से चर्चा में हैं। दिवाली के मौके पर उन्होंने बीच सड़क पर हंगामा कर दिया, जिससे आसपास काफी भीड़ जमा हो गई। अब उनका ये वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और पुलिस भी इस मामले में बीच–बचाव करती नजर आई। यह घटना दिवाली के दिन की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में खुशी मुखर्जी पिंक साड़ी में नजर आ रही हैं। वह एक पटाखों की दुकान के पास खड़ी होकर पटाखों के डिब्बे उठा–उठाकर सड़क पर फेंकती नजर आ रही हैं और कहती हैं– "सबकी दिवाली बननी चाहिए। उनकी इस हरकत से वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। तभी एक व्यक्ति ने गुस्से में आकर कहा, "ये बहुत ज्यादा कर रही है, इसको बोल दो नहीं तो मार खाकर जाएगी।" उस व्यक्ति की धमकी के बावजूद खुशी और ज्यादा भड़क गईं। खुशी ने बाद में बताया कि उनका गुस्सा किसी छोटी सी सड़क दुर्घटना के कारण फूटा। किसी ने उनकी गाड़ी टक्कर मार दी थी, जिससे नाराज होकर उन्होंने पास की पटाखों की दुकान पर हंगामा शुरू कर दिया। गुस्से में आगबबूला हुईं खुशी ने दुकान पर रखे पटाखों के डिब्बे फेंककर खराब कर दिए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें शांत कराने की कोशिश की, लेकिन खुशी मुखर्जी पुलिस से भी उलझती हुईं नजर आईं। उन्होंने पुलिसकर्मी से सवाल किया कृ "पटाखे बेचना इलीगल नहीं है?"पुलिस के बार–बार समझाने पर भी खुशी ने किसी की बात नहीं मानी और कई फुलझड़ियों के पैकेट सड़क पर बिखेर दिए,

> दिवाली के मौके पर उन्होंने बीच सड़क पर हंगामा कर दिया, जिससे आसपास काफी भीड़ जमा हो गई। अब उनका ये वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है और पुलिस भी इस मामले में बीच-बचाव करती नजर आई। यह घटना दिवाली के दिन की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में खुशी मुखर्जी पिंक साड़ी में नजर आ रही हैं।

जिससे दुकानदारों का नुकसान हो गया। यह पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया और अब सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। कई यूजर्स ने खुशी के इस व्यवहार की निंदा की है। लोगों का कहना है कि दिवाली जैसे त्यौहार के दिन इस तरह का तमाशा करना शर्मनाक है। खुशी मुखर्जी टीवी और वेब सीरीज की जानी–मानी अदाकारा हैं। वह 'बालवीर रिटर्न्स', 'सपनों की चहल–पहल' और कई बोल्ड म्यूजिक वीडियोज में नजर आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग है, लेकिन अक्सर वह अपने विवादित बयानों या बोल्ड वीडियो के चलते खबरों में रहती हैं।

फैन्स को आशिष चंचलानी का तोहफा, अनाउंस की उनके निर्देशन में बनी पहली सीरीज एकाकी की ट्रेलर रिलीज डेट

भारत के सबसे बड़े डिजिटल स्टार और अब फिल्ममेकर बने आशिष चंचलानी ने अपने बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'एकाकी' के ट्रेलर की रिलीज डेट की घोषणा की है। यह घोषणा उन्होंने एक रहस्यमयी वीडियो के जरिए की, जिसने आने वाले समय के लिए सही माहौल तैयार कर दिया है। वीडियो की शुरुआत सूखी, विशाल जमीन के दृश्यों से होती है, जिसके बाद आशिष चंचलानी और उनकी टीम के सदस्यों को एक हल्की रोशनी वाले कमरे में दिखाया गया है जो रहस्य का एहसास कराता है। इसके बाद दृश्य बदलकर एक नाटकीय शाम के आसमान के नीचे खड़ी टीम को दिखाता है, जहाँ लाल रंग की झलक और गहरी पृष्ठभूमि संगीत से सस्पेंस और बढ़ जाता है। वीडियो के अंत में ट्रेलर की तारीख का खुलासा होता है "यह छोटा लेकिन प्रभावशाली वीडियो दर्शकों में जबरदस्त जिज्ञासा पैदा कर रहा है, और सबको आशिष चंचलानी की लंबे फॉर्मेट की कहानी कहने की पहली कोशिश की झलक देखने के लिए उत्सुक कर रहा है। एकाकी' आशिष के निर्देशन और स्वयं–निर्मित डेब्यू का प्रतीक है एक थ्रिलर सीरीज जो हॉरर और कॉमेडी का अनोखा मिश्रण पेश करेगी। यह वही स्टाइल है जिसके लिए आशिष जाने जाते हैं, लेकिन इस बार एक नए ट्विस्ट के साथ। पहले जारी किए गए पोस्टर में आशिष एक लालटेन पकड़े अंधेरे में खड़े हैं, जहाँ चारों ओर भूतिया हाथ दिखते हैं जिसने पहले ही सोशल मीडिया पर रोमांच और चर्चा का माहौल बना दिया है।'एकाकी' के जरिए आशिष अपने निर्देशन, लेखन, अभिनय और निर्माण चारों भूमिकाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखा रहे हैं। यह सीरीज उनके अपने बैनर ।ब्टै जनकपवे के तहत बनाई गई है। इसमें आशिष के साथ आकाश दोडेजा, हर्ष राणे, सिद्धांत सरफरे, रोहित सधवानी, शशांक शेखर और ग्रीशिम नवानी नजर आएंगे। यह सीरीज आशिष चंचलानी के यूट्यूब चौनल पर रिलीज की जाएगी।हास्य, जुड़ाव और तीखी कहानी कहने की अपनी कला से भारतीय डिजिटल मनोरंजन को नई दिशा देने वाले आशिष अब लंबे फॉर्मेट की कंटेंट की दुनिया में कदम रख रहे हैं। जैसे–जैसे 27 अक्टूबर नजदीक आ रहा है, 'एकाकी' एक ऐसा प्रोजेक्ट बनता जा रहा है जो न केवल आशिष चंचलानी के करियर में एक अहम मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि उन्हें भारत के डिजिटल स्टार से एक दूरदर्शी कहानीकार और फिल्ममेकर के रूप में स्थापित करेगा।

एक्स पति संजय की मौत के बाद करिश्मा कपूर ने बेहद सादगी से मनाई दिवाली, करीना ने बहन को बताया सबसे मजबूत लड़की

बॉलीवुड इंडस्ट्री में जहां इस बार दिवाली का खूब जश्न देखने को मिला। वहीं, एक्ट्रेस करिश्मा कपूर ने इस साल दिवाली का त्योहार बेहद सादगी से सेलिब्रेट किया। उनके लिए यह फेस्टिवल उनके लिए भावनात्मक रूप से खास रहा, क्योंकि यह उनके एक्स पति संजय कपूर के निधन के बाद पहली दिवाली थी। हाल ही में जब एक्ट्रेस ने अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर अपनी दिवाली की झलक शेयर की तो हर कोई उनकी मजबूती और सादगी की तारीफ करता नजर आया। करिश्मा कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह पिंक कलर के पारंपरिक सूट में नजर आ रही हैं। तस्वीर में करिश्मा हाथों में दीया थामे मुस्कुरा रही हैं। उनके चेहरे पर शांति और आत्मविश्वास झलक रहा है। पोस्ट के कैप्शन में एक्ट्रेस ने सिर्फ एक शब्द लिखा–"सकारात्मकता" पोस्ट पर करिश्मा की छोटी बहन और बॉलीवुड स्टार करीना कपूर खान ने प्यार भरी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कमेंट में लिखा–"दुनिया की सबसे मजबूत लड़की, मेरी बहन। तुम्हारे लिए सिर्फ सकारात्मकता, मेरे सैम और किउ।"इसके अलावा करीना की ननद सबा अली खान पटौदी ने भी पोस्ट पर कमेंट किया।फैंस भी कमेंट सेक्शन में करिश्मा की तारीफ करते नजर आए।करिश्मा कपूर ने 1990 के दशक में बॉलीवुड में शानदार करियर बनाया और वे उस दौर की सबसे सफल एक्ट्रेसेस में से एक रहीं। साल 1994 उनके करियर का स्वर्णिम वर्ष था, जब उन्होंने लगभग 10 फिल्में कीं। इसके बाद उन्होंने 2006 में 'मेरे जीवन साथी' में अभिनय किया, जिसके बाद उन्होंने फिल्मों से कुछ दूरी बना ली। फिर 2012 में एक्ट्रेस ने फिल्म 'डेंजरस इश्क' से बड़े पर्दे पर वापसी की, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा सकी। फिर 2024 में करिश्मा 'मर्डर मुबारक' में नजर आईं, जिसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना हुई। इस बीच वे 'ओम शांति ओम' (2007) जैसी फिल्मों में कैमियो रोल में भी दिखाई दीं और कुछ वेब प्रोजेक्ट्स का हिस्सा भी बनीं।

सुसाइड मामले में रिया को मिली क्लीन चिट पर सुशांत सिंह की फैमिली ने जताई आपत्ति, कहा–ये एक घटिया और अधूरी जांच

एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को इस साल मार्च में सुशांत सिंह राजपूत के सुसाइड मामले में क्लीन चिट मिल गई थी। सीबीआई ने यह कहते हुए एक्ट्रेस को क्लीन चिट दे दी थी कि सुशांत के मामले में उनका कोई हस्तक्षेप नहीं मिला है और वह निर्दोष हैं। वहीं, अब हाल ही में रिया को क्लिन चिट मिलने पर दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह की फैमिली ने आपत्ति जताई है और उन्होंने इसे अदालत में चुनौती देने की तैयारी कर ली है। रिपोर्ट के मुताबिक, सुशांत सिंह राजपूत का परिवार सीबीआई की जांच से बेहद असंतुष्ट है। उनका कहना है कि यह रिपोर्ट अधूरी और पक्षपातपूर्ण है। परिवार की ओर से उनके वकील वरुण सिंह ने कहा "यह जांच एक दिखावे के अलावा कुछ नहीं है। अगर सीबीआई सच में सच्चाई सामने लाना चाहती थी, तो उसे अंतिम रिपोर्ट के साथ सभी जरूरी दस्तावेज अदालत में जमा करने चाहिए थे– जैसे चौट रिकॉर्ड्स, कॉल डिटेल्स, तकनीकी साक्ष्य, गवाहों के बयान और मेडिकल रिपोर्ट्स। लेकिन ऐसा नहीं किया गया।" वरुण सिंह ने आगे कहा कि सुशांत के परिवार की तरफ से जल्द ही इस क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ विरोध याचिका दायर की जाएगी। उन्होंने इसे "एक घटिया और अधूरी जांच" करार दिया। सीबीआई ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि रिया चक्रवर्ती के खिलाफ किसी भी तरह का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सबूत नहीं मिला है, जिससे यह साबित हो सके कि उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत को आत्महत्या के लिए उकसाया, धमकाया या आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाया। सीबीआई ने यह निष्कर्ष पांच साल की लंबी जांच के बाद निकाला, जिसमें कई गवाहों से पूछताछ, फोरेंसिक रिपोर्ट, डिजिटल डेटा और मेडिकल रिकॉर्ड्स की जांच शामिल थी। मालूम हो, 14 जून 2020 को एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का शव मुंबई के बांद्रा स्थित उनके फ्लैट में मिला था। प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला बताया गया, लेकिन इसके बाद परिवार ने एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार पर गंभीर आरोप लगाए थे। परिवार ने दावा किया था कि रिया ने सुशांत को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाया। इसके साथ ही आर्थिक अनियमितता के भी आरोप लगाए गए थे। मामला धीरे–धीरे ईडी, एनसीबी और सीबीआई तक पहुंचा, जिसने अलग–अलग पहलुओं की जांच की।

मायानगरी के जन–जाल से दूर केदारनाथ धाम पहुंची सारा अली खान, पहाड़ों के बीच भोलेबाबा की भक्ति में रमीं दिखीं एक्ट्रेस

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान का केदारनाथ से गहरा नाता रहा है। यह वही जगह है, जहां से उनके फिल्मी करियर की शुरुआत हुई थी। ऐसे में वह अक्सर मायानगरी के जन–जाल से भोलेबाबा की शरण में जाती रहती हैं। इसी बीच, एक बार उन्होंने उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम के दर्शन किए। सारा ने अपनी इस यात्रा की कई खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर की हैं, जिन्हें देखकर उनके फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। फोटोज में सारा अली खान को मंदिर के बाहर पूजा करते , सूर्यास्त का दृश्य निहारते हुए और बर्फ से ढकी चोटियों के बीच मन को शांत करते हुए देखा जा सकता है। उनके चेहरे की चमक और संतोष इस बात का प्रमाण है कि यह यात्रा उनके लिए सिर्फ एक धार्मिक अनुभव नहीं, बल्कि आत्मिक शांति पाने का माध्यम भी है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस सर्दियों के कपड़े पहने अलग–अलग खूबसूरत पोज देती नजर आ रही हैं। अपनी यात्रा की तस्वीरें साझा करते हुए सारा ने लिखा–"जय श्री केदार. दुनिया की एकमात्र ऐसी जगह जो मुझे हमेशा अपनापन देती है, फिर भी हर बार मुझे विस्मय से भर देती है। बस कृतज्ञ हूं... जो कुछ भी मेरे पास है और जो मैं हूं, वह सब इसी कृपा का परिणाम है। सारा अली खान की इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट कर उनकी तारीफ भी कर रहे हैं। बता दें, सारा अली खान की 2018 की डेब्यू फिल्म 'केदारनाथ' इसी तीर्थ स्थल पर आधारित थी। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मुख्य भूमिका में थे। वहीं, हाल ही में सारा को फिल्म 'मेट्रो... इन डायनो' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल, आदित्य रॉय कपूर और फातिमा सना शेख जैसे कलाकार नजर आए थे। अब सारा जल्द ही 'पति पत्नी और वो 2' में आयुष्मान खुराना के साथ नजर आने वाली हैं।

रात भर चेहरे पर बेसन लगाने से क्या होता है? जानें एक्सपर्ट की राय

हर किचन में बेसन का प्रोयग खाने के लिए किया जाता है, लेकिन कई बार इसका इस्तेमाल ब्यूटी के लिए भी किया जाता है। स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है बेसन। त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए बेसन का प्रयोग किया जाता है। कई कॉस्मेटिक कंपानियां अपने प्रोडक्ट में बेसन का प्रयोग करती है। स्किन के लिए बेसन बेहद फायदेमंद होता है। यदि आप रात भर में बेसन लगाते हैं , तो जान लें यह सही है या गलत।

रातभर बेसन लगाना कितना सही?

अगर आप भी चेहरे पर रंगत लाने के लिए बेसन लगाते हैं, तो जानें कितना सही है। यदि आप रात को बेसन लगाते हैं तो स्किन संबंधित कई समस्याएं दूर रहती है। त्वचा की रंगत में सुधार करता है। दाग–धब्बे को दूर करता है। इसके साथ ही मुंहासे के छुटकारा भी पाया जाता है। अगर आप भी रात भर बेसन लगाकर सोते हैं, तो जान लें कितनी ठीक है।

चेहरे पर रातभर बेसन लगाने के फायदे

– दरअसल, चेहरे पर रात भर बेसन लगाने से ऑयल कंट्रोल रहता है। बेसन लगाने से त्वचा से अतिरिक्त तेल निकल जाता है। इससे आपकी ऑयली स्किन से छुटकारा मिल जाता है।

– वहीं, यह कील–मुंहासे को दूर करता है। यदि आप भी चेहरे पर मौजूद एक्ने या मुंहासे से परेशान हैं तो बेसन लगाना सबसे बढ़िया होता है।

– चेहरे पर रातभर बेसन लगाकर रखने से त्वचा एक्सफोलिए होती है। बेसन डेड स्किन सेल्स को रिमूव करता है।

– यदि आप चेहरे पर रात को बेसन लगाते हैं तो इससे चेहरे का ग्लो बढ़ेगा। इससे त्वचा की रंगत बढ़ेगी। इसके साथ ही दाग–धब्बों से भी छुटकारा मिल सकता है।

कैसे लगाएं बेसन

– चेहरे पर बेसन लगाने के लिए 2–3 चम्मच बेसन लें।

– फिर पानी या गुलाब जल मिलाएं।

– आप इसमें चुटकी भर हल्दी भी मिला सकते हैं।

– फिर आप इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और बाद में चेहरे को अच्छे से धो लें।

पेट के कैंसर की पहली स्टेज में शरीर देता है ये 5 संकेत, कुछ नहीं बिगाड़ पाएगी बीमारी, बस लक्षण गौर कर लें

आजकल पेट से जुड़ी परेशानियां जैसे गैस, एसिडिटी या पेट दर्द आम हो गई हैं। लेकिन कई बार यही मामूली लगने वाली तकलीफें किसी गंभीर बीमारी की पहली चेतावनी होती हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, पेट का कैंसर ऐसी ही एक बीमारी है जो धीरे–धीरे बढ़ती है और शुरुआती स्टेज में पहचान में नहीं आती। अगर इन संकेतों पर समय रहते ध्यान न दिया जाए, तो यह कैंसर शरीर के दूसरे हिस्सों तक फैल सकता है। आइए जानते हैं कि पेट के कैंसर की पहली स्टेज में शरीर कौन से 5 लक्षण दिखाना शुरू करता है और किन वजहों से यह बीमारी बढ़ती है।

पेट में भारीपन और सूजन महसूस होना

अगर आप थोड़ा–सा खाना खाने के बाद भी पेट भारीपन या फुलावट महसूस करते हैं, तो इसे हल्के में न लें। यह पेट की अंदरूनी दीवारों पर ट्यूमर बनने का संकेत हो सकता है। ऐसे मरीजों को अक्सर एसिडिटी, पेट दर्द और वजन घटने की समस्या होती है। अगर यह समस्या लगातार बनी रहे, तो एंडोस्कोपी या अल्ट्रासाउंड टेस्ट जरूर कराएं। विशेषज्ञों के अनुसार, पेट के अंदर बन रहे कैंसर सेल्स पाचन तंत्र की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं, जिससे पेट में लगातार भारीपन बना रहता है।

बिना किसी कारण जी मितलाना या उल्टी जैसा महसूस होना

कई बार सफर में या खराब खाना खाने के बाद जी मितलाना सामान्य है, लेकिन अगर हर समय मिचली बनी रहती है या बिना कारण उल्टी जैसा महसूस होता है, तो यह सामान्य नहीं है। यह स्थिति पेट की लाइनिंग में इंफ्लेमेशन (सूजन) या ट्यूमर की वजह से इरिटेशन के कारण हो सकती है। अगर ये लक्षण हफ्तों तक बने रहें, तो गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट से जांच कराना जरूरी है। शुरुआती स्टेज के पेट कैंसर में यह लक्षण सबसे आम है, जिसे लोग अक्सर पाचन समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं।

मल का रंग बदलना या खून आना

अगर आपके मल का रंग गहरा हो रहा है या उसमें खून दिखाई देता है, तो यह पेट या आंतों में कैंसर की निशानी हो सकती है। ऐसा तब होता है जब ट्यूमर पेट की भीतरी दीवारों को नुकसान पहुंचाने लगता है। यह लक्षण पेट के कैंसर की दूसरी स्टेज में भी दिखाई दे सकता है, इसलिए इसे नजरअंदाज न करें। ऐसे मामलों में स्टूल टेस्ट या कोलोनोस्कोपी के जरिए डॉक्टर सही वजह का पता लगाते हैं।

पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द और जलन

पेट के ऊपरी हिस्से या सीने के पास दर्द और जलन महसूस होना भी कैंसर का शुरुआती लक्षण हो सकता है। कई बार मरीज को ऐसा लगता है कि सीने को कोई मरोड़ रहा है या दबाव पड़ रहा है। यह समस्या पेट के ट्यूमर के बढ़ने से होती है, जो एसिडिटी और गैस के लक्षणों की तरह लगती है। अगर यह दर्द भोजन के बाद या रात में बढ़ जाता है, तो तुरंत जांच कराएं। डॉक्टरों का कहना है कि यह लक्षण अक्सर "एसीड रिफ्लक्स" समझ लिया जाता है, लेकिन लगातार जलन का मतलब गंभीर समस्या हो सकता है।

अजीब तरह की डकार या मुंह में खट्टा स्वाद

सामान्य डकार सभी को आती है, लेकिन अगर डकारों का स्वाद मैटेलिक या खट्टा लगने लगे और मुंह में जलन या कसैलापन महसूस हो, तो यह भी एक चेतावनी संकेत है। कई बार यह पेट के अंदर ट्यूमर बनने की वजह से गैस और एसिड के असामान्य उत्पादन के कारण होता है। इस स्थिति में एंडोस्कोपी या सीटी स्कैन की सलाह दी जाती है ताकि कैंसर की शुरुआती पहचान की जा सके।

पेट का कैंसर होने की मुख्य वजहें

पेट का कैंसर किसी एक कारण से नहीं, बल्कि कई जोखिम कारकों से मिलकर विकसित होता है। इनमें से कुछ जीवनशैली से जुड़े होते हैं, जबकि कुछ आनुवंशिक (जेनेटिक)।

धूम्रपान और शराब का सेवनः तंबाकू और शराब में मौजूद रसायन पेट की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर का खतरा बढ़ाते हैं।

इन 5 चीजों को भिगोकर खाने से दोगुनी होगी आपकी उम्र!

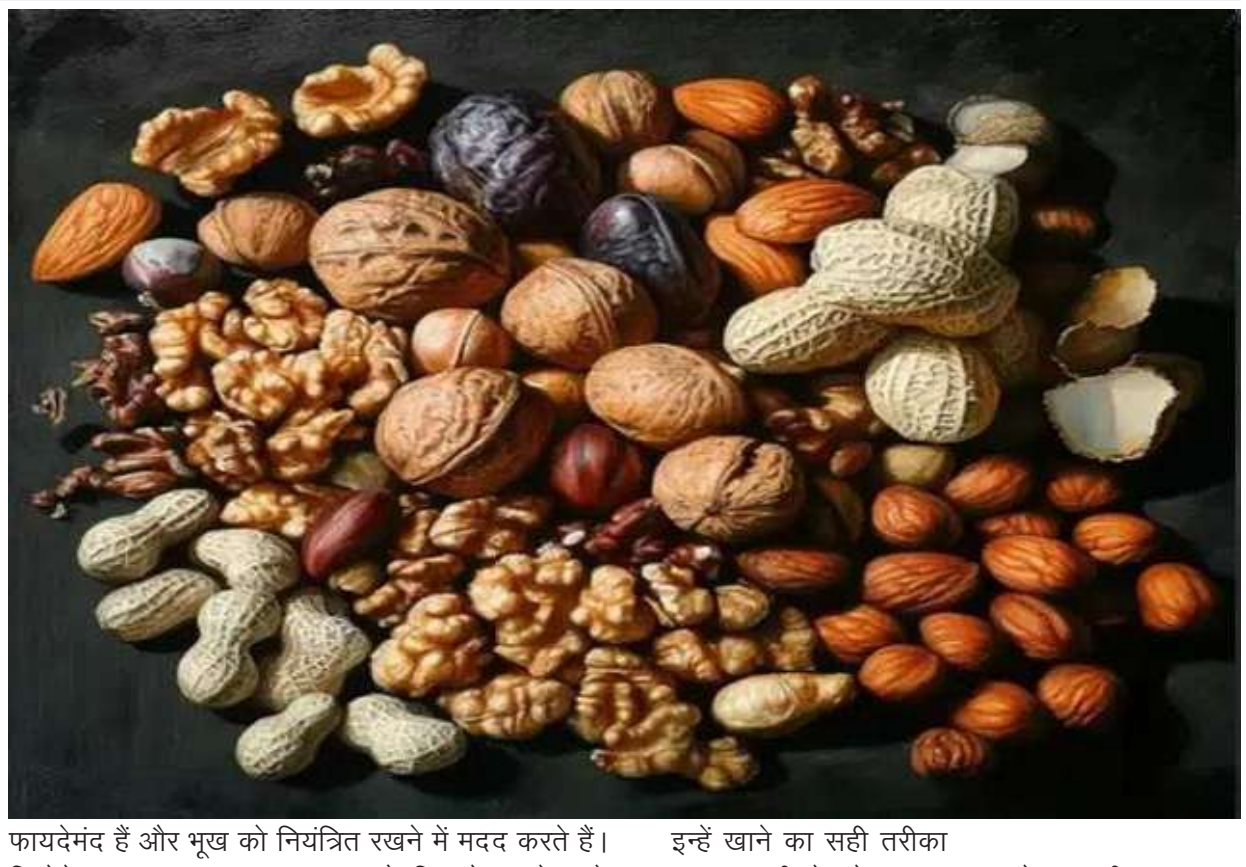

आजकल सेहतमंद जीवन जीने की चाहत में लोग कई उपाय अपनाते हैं। ऐसे में नट्स और सीड्स को रात भर पानी में भिगोकर खाने का ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है। यह न सिर्फ स्वाद में सुधार लाता है, बल्कि इनसे मिलने वाले स्वास्थ्य लाभ भी अद्भुत होते हैं। आइए, जानते हैं इन पांच चीजों के बारे में जो आपकी उम्र को दोगुना कर सकती हैं।

बादाम

बादाम इस लिस्ट का पहला और सबसे महत्वपूर्ण आइटम है। इनमें अच्छे फैट्स होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। भिगोने से बादाम के पोषण तत्व और भी सक्रिय हो जाते हैं। यह हार्ट हेल्थ के लिए भी बेहतरीन है और विटामिन–ई की उपस्थिति हमारी त्वचा और मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में सहायक है।

मेथी दाना

मेथी के दाने शुगर लेवल को कम करने में मदद करते हैं। भिगोई हुई मेथी का सेवन पाचन समस्याओं को दूर करने के साथ–साथ एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण भी प्रदान करता है, जो हड्डियों और मांसपेशियों के दर्द को कम करने में मददगार होते हैं।

चिया सीड्स

चिया सीड्स को ओमेगा–3 फैटी एसिड का बेहतरीन स्रोत माना जाता है। ये दिल की सेहत के लिए अत्यंत फायदेमंद हैं और भूख को नियंत्रित रखने में मदद करते हैं। भिगोने पर इनका आकार बढ़ जाता है, जिससे यह पेट को अधिक समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं।

किशमिश

किशमिश आयरन का एक अच्छा स्रोत है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी को जल्दी ही पूरा कर सकता है। भिगोई हुई किशमिश पेट साफ करने में मदद करती है, जिससे पाचन बेहतर होता है और ऊर्जा स्तर भी बढ़ता है।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज विटामिन–ई का बेहतरीन स्रोत हैं, जो त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें मैग्नीशियम की उपस्थिति भी होती है, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है और हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखता है।

इन्हें खाने का सही तरीका

इन पांच चीजों को एक साथ खाने का तरीका आसान है। सबसे पहले, बादाम को एक कटोरी में और बाकी सभी चीजों को एक बड़ी कटोरी में रात भर पानी में भिगोकर रखें। सुबह, इन्हें पानी से निकालकर दही के साथ मिलाएं। चाहें तो स्वाद के लिए इसमें थोड़ा सा शहद भी मिला सकते हैं।

इन पांच चीजों को भिगोकर खाने से आप न केवल अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं, बल्कि अपनी उम्र को भी बढ़ा सकते हैं। एक स्वस्थ जीवनशैली के लिए इन्हें अपनी डाइट में शामिल करें और इसके अद्भुत फायदों का अनुभव करें। लंबे और स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ते हुए, ये साधारण नुस्खे आपके लिए रामबाण साबित हो सकते हैं।

खुली बातचीत, मजबूत बंधन... पार्टनर से इंटिमेसी के बारे में बात करें, बेहतर होगा रिश्ता

इंटिमेसी मजेदार होता है, लेकिन कभी–कभी यह ऐसा मुद्दा बन जाता है, जो रिश्ते में समस्याएं पैदा करने लगता है। ज्यादातर कपल्स अपनी इंटिमेसी समस्याओं के बारे में बात करने से बचते हैं। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि उन्हें शर्मिंदगी महसूस होती है या वे नहीं जानते कि इस मुद्दे पर बातचीत कैसे करें। लेकिन कपल्स को याद रखना चाहिए कि जब तक वह बात नहीं करेंगे तब तक उन्हें अपनी समस्याओं का कोई समाधान नहीं मिलेगा। आइए कुछ सामान्य इंटिमेसी समस्याओं पर नजर डालते हैं और इनके समाधानों के बारे में बात करते हैं। इन चीज़ों के बारे में बात करने से आपका रिश्ता मज़बूत और स्वस्थ हो सकता है। लाइसेंस प्राप्त इंटिमेसी थेरेपिस्ट टॉड बारात्ज़ ने अपने सोशल मीडिया पर लिखा, सभी जोड़ों को यौन समस्याएं होती हैं। और अधिकांश जोड़े उनसे बचते हैं। यौन चुनौतियों की अपेक्षा की जानी चाहिए। जल्द से जल्द समाधान करें। इंतजार न करें। इससे पहले कि यह पुरानी हो जाए और बड़ी दूरी का कारण बन जाए, असुविधा से बाहर निकलें। उन्होंने आगे लिखा, इन चुनौतियों और लक्ष्यों को मज़ेदार अवसरों के रूप में लें। मुझे पता है कि यह कहने के लिए एक थेरेपिस्ट की बात है, लेकिन यह इंटिमेसी है। जागो। यह मज़ेदार और खोजपूर्ण होना चाहिए। अपने बारे में नई चीज़ें सीखें और अपने साथी के साथ ऐसा करें। यही वास्तव में आकर्षक है। अपनी कामुकता के बारे में संवेदनशील होने और उन पलों को साझा करने में सक्षम होना बेहद उत्तेजक हो सकता है। इसलिए इस चीज़ को अपनाएं। यह साथ में डिनर के लिए एक नई रेसिपी बनाने जैसा है। गड़बड़ करें। मज़ेदार बनें। इसे आज़माएं। यह बिल्कुल भी स्वादिष्ट नहीं हो सकता। यह खराब भी हो सकता है, लेकिन फिर आप इसे बदल सकते हैं और कुछ और आज़मा सकते हैं।

अलग–अलग स्तर की यौन इच्छाएं होना

आपके और आपके पार्टनर की अलग–अलग स्तर की यौन इच्छाएं हो सकती है। इसलिए अपनी और अपने पार्टनर की इच्छाओं के अलग–अलग स्तरों का सम्मान करें और बातचीत पर समाधान निकाले। इच्छाओं के अलग–अलग स्तर हमेशा रहेंगे। मतभेदों से निपटने और उन्हें प्रबंधित करने के लिए रणनीति बनाएं। यह जरूरी है वरना इंटिमेसी लाइफ परेशानी से भर सकती है।

इंटिमेसी के लिए समय नहीं मिलता, इसे शेड्यूल करें

इंटिमेसी मजेदार होना चाहिए और लोगों को लगता है कि अचानक इसे करने से यह बेहतर होता है। नहीं, ऐसा कुछ नहीं है। इंटिमेसी के लिए समय नहीं मिल रहा है तो इसे शेड्यूल करें। एक समय तय करें, गंदे इंटिमेसी संदेश भेजें, ठीक से योजना बनाएं कि आप क्या करने जा रहे हैं, बिस्तर पर आने तक उत्तेजना का निर्माण करना जारी रखें।

इंटिमेसी करने पर नहीं, इसके बारे में बात करने पर ध्यान केंद्रित करें

इंटिमेसी, कामुकता और फैंटसी के बारे में लगातार बातचीत करें। अच्छे इंटिमेसी के लिए अच्छे संचार की आवश्यकता होती है, न कि किसी विशेष तकनीक या स्वाद की। अधिकांश लोग इंटिमेसी के बारे में खुलकर बात करने में असहज होते हैं क्योंकि उन्होंने इसे कभी नहीं किया है। असहजता को दूर करें और जल्द से जल्द बात करना शुरू करें।

अपनी इच्छाओं को व्यक्त कर के देखें

इंटिमेसी में बहुत चीजें होती हैं, जो आप करना चाहते हैं पार्टनर के साथ इसपर बातचीत करें। अपनी इच्छाएं व्यक्त करने से मदद मिल सकती है। टेक्स्ट करें, नोट लिखें, जब वे हॉट दिखें तो एक–दूसरे के कान में फुसफुसाकर देखें। इच्छा सिर्फ़ इंटिमेसी के दौरान होने वाली कोई चीज़ नहीं है। अगर आप चाहें तो इच्छा हर समय हो सकती है। इसका फ़ायदा उठाएं और सुनिश्चित करें कि आपका साथी नियमित रूप से यह महसूस करे कि आप उसे चाहते हैं।

संक्षिप्त

भारत जल्दबाजी में या 'दबाव में आकर' व्यापार समझौते नहीं करता: गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत जल्दबाजी में या 'किसी तरह के दबाव में आकर' व्यापार समझौते नहीं करता है। गोयल ने कहा कि भारत की यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका सहित विभिन्न देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत चल रही है। गोयल ने जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन संवाद' में कहा, ''हम यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। हम अमेरिका से भी बात कर रहे हैं लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही कोई समयसीमा तय करके या फिर किसी तरह के दबाव में आकर कोई समझौता करते हैं।'' वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री इस संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बर्लिन में हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी भी व्यापार समझौते को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। गोयल ने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी या उकसावे में आकर कोई निर्णय नहीं लेता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत अमेरिका में लगाए गए उच्च सीमा शुल्क से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है। भारत के साथ दीर्घकालिक निष्पक्ष व्यापार समझौता शर्तों पर किए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे। यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, तो यह भी स्वीकार्य नहीं है।'' उन्होंने कहा कि किसी देश से कोई भी विशेष उत्पाद खरीदने का निर्णय पूरी दुनिया का होगा। गोयल की यह टिप्पणी रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए भारत पर अमेरिका द्वारा बनाए जा रहे दबाव को देखते हुए महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले एक हफ्ते में कई बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए राजी है। हालांकि भारत ने इससे इनकार किया है।

रुपया शुरुआती कारोबार में नौ पैसे की बढ़त के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और भारत–अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर आशावाद के बीच रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे की बढ़त के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि विदेशी पूंजी की निकासी ने तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.78 पर खुला। फिर मामूली गिरावट के साथ 87.79 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.88 पर बंद हुआ। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.01 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 153.18 अंक फिसलकर 84,403.22 अंक पर जबकि निफ्टी 51.1 अंक की गिरावट के साथ 25,840.30 अंक पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.55 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65.63 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 1,165.94 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

वायदा बाजार में सोने, चांदी की कीमतों में गिरावट

अमेरिकी डॉलर में मजबूती और अमेरिका–चीन व्यापार वार्ता में प्रगति को लेकर आशावाद के बीच कारोबारियों ने हालिया तेजी के बाद मुनाफावसूली की जिससे शुक्रवार को वायदा कारोबार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में दिसंबर

आपूर्ति वाले अनुबंधों में सोने का भाव 1,109 रुपये या 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,22,995 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें 12,958 लॉट के लिए कारोबार हुआ। फरवरी 2026 में आपूर्ति वाले सोने के अनुबंधों की कीमत 1,075 रुपये यानी 0.86 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,24,200 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। इसमें 2,239 लॉट का कारोबार हुआ। चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई। दिसंबर में आपूर्ति वाले चांदी के वायदा अनुबंधों की कीमत 2683 रुपये या 1.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,45,8291 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 21,080 लॉट के लिए कारोबार हुआ। इसी तरह, मार्च 2026 में आपूर्ति वाले चांदी के वायदा अनुबंधों की कीमत 2,206 रुपये या 1.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,47,878 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। इसमें 5,250 लॉट के लिए कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर दिसंबर में आपूर्ति वाले कॉमेक्स सोने का वायदा भाव 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,124.99 डॉलर प्रति औंस हो गया। चांदी का वायदा भाव 1.06 प्रतिशत टूटकर 48.19 डॉलर प्रति औंस रहा।

तीसरे वनडे के लिए भारतीय टीम में हो सकते हैं बदलाव, गेंदबाजी आक्रमण को देनी होगी धार

सिडनी। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज गंवा चुकी है और अब दोनों टीमों के बीच शनिवार को तीसरा मैच खेला जाना है। भारत की नजरें क्लीन स्वीप होने से बचने पर टिकी होंगी। भारत ने अब तक तीन तेज गेंदबाज और तीन ऑलराउंडर के साथ उतरने का फैसला किया जो उसके लिए कारगार साबित नहीं हुआ है। भारत के पास सीरीज में पाने को कुछ नहीं है इसलिए यह संभव है कि टीम प्रबंधन प्लेइंग–11 में कुछ बदलाव कर सकता है।

दोनों मैचों में चुनौती नहीं दे सका भारत

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को शुरुआती दोनों मैचों में चुनौती नहीं दे सका। इस दौरान गेंदबाजों ने काफी निराश किया और दोनों ही मैच में लक्ष्य का बचाव नहीं किया जा सका। पर्थ में खेले गए पहले वनडे मैच में बारिश ने काफी प्रभाव डाला, लेकिन एडिलेड में भी गेंदबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। वहीं, फील्डिंग में भी भारत ने कुछ गलतियां की। अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज जैसे खिलाड़ियों ने आसान से कैच छोड़े जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीवनदान मिले। भारतीय टीम को अपनी फील्डिंग में सुधार की जरूरत है।

रोहित–कोहली पर रहेंगी नजरें

जब से यह सीरीज शुरू हुई है सबसे ज्यादा चर्चा रोहित शर्मा और विराट कोहली पर ही चल रही है। संभवतरू इन दोनों दिग्गजों का यह आखिरी ऑस्ट्रेलिया दौरा है, ऐसे में रोहित–कोहली को खेलता देखने के लिए सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर प्रशंसकों का जमावड़ा लगने की उम्मीद है। रोहित ने जहां पहले मैच में सस्ते में आउट होने के बाद दूसरे मैच से दमदार वापसी की और अर्धशतक लगाया। वहीं, कोहली लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट हुए। कोहली से सिडनी में बड़ी पारी खेलने की उम्मीद रहेगी। यह देखना भी दिलचस्प होगा कि सीरीज समाप्त होने के बाद रोहित और कोहली अपने वनडे भविष्य को लेकर कोई बड़ा फैसला लेते हैं या नहीं।

हार्दिक की खल रही कमी

भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोट के कारण इस सीरीज का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह नीतीश रेड्डी को प्लेइंग–11 में मौका मिला, लेकिन वह दोनों मैचों में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन

नहीं कर सके हैं। गेंदबाजी में भी भारत को हार्दिक की कमी खल रही है। नीतीश ने अपने करियर में अब तक यही दो वनडे खेले हैं, इसलिए उन्हें आंकना जल्दबाजी होगी। लेकिन अगर नीतीश को वनडे में अपनी जगह पक्की करनी है तो उन्हें प्रभावित करना होगा क्योंकि हार्दिक की वापसी के बाद उनके लिए जगह बरकरार रखना मुश्किल हो सकता है।

कुलदीप को मिलेगा मौका?

भारतीय टीम तीसरे वनडे के लिए प्लेइंग–11 में दो बदलाव कर सकती है। टीम प्रबंधन की कोशिश गेंदबाजी आक्रमण को धार देने की होगी, ऐसे में कलाई के स्पिनर कुलदीप की जगह प्लेइंग–11 में बन सकती है। कुलदीप को वाशिंगटन सुंदर की जगह एकादश में लाया जा सकता है। वहीं, हर्षित राणा की जगह प्रसिद्ध कृष्णा को भी टीम में मौका मिल सकता है। हर्षित दूसरे वनडे में कुछ दिक्कतों का सामना कर रहे थे और पूरी तरह फिट नजर नहीं आ रहे थे। भारत ने अब तक स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर डाली है जो अच्छी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं, लेकिन यह दोनों गेंदबाजी में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को उन्हें खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई है। वहीं, नीतीश जैसे बल्लेबाज को आठवें नंबर पर उतारना सही रणनीति नहीं लगती है। गेंदबाजी में भी वह प्रभाव छोड़ने में असफल रहे।

इस मुकाबले के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग–11 इस प्रकार है...

भारतः रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नीतीश रेड्डी, कुलदीप यादव/वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

ऑस्ट्रेलियाः मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रेविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, मैट रेनशॉ, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), कूपर कोनोली, मिचेल ओवन, जेवियर बार्टलेट, मिचेल स्टार्क, एडम जांपा, जोश हेजलवुड।

ऑस्ट्रेलिया में आखिरी बार खेलने उतरेंगे रोहित-कोहली ? जानें कब और कहां देखें मैच

एडिलेड। भारतीय टीम के दो दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने करियर के अंतिम पड़ाव पर चल रहे हैं। इन दोनों ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है और अब ये सिर्फ वनडे में ही खेलते नजर आ रहे हैं। रोहित और कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज का हिस्सा हैं जिसका आखिरी मुकाबला शनिवार को खेला जाएगा।

अगले दो वर्ष तक ऑस्ट्रेलिया में नहीं है कोई वनडे सीरीज

रोहित और कोहली इस सीरीज के बाद 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में नजर आ सकते हैं। इससे पहले ये दोनों बल्लेबाज जब शनिवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर उतरेंगे तो भावनाओं का ज्वार अपने चरम पर हो सकता है क्योंकि यह ऑस्ट्रेलिया की धरती पर इन दोनों का संभवतः अंतिम मैच हो सकता है। अगले दो वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में कोई वनडे सीरीज नहीं होने के कारण यह सोचना असंभव है कि यह जोड़ी फिर से भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया में खेलेगी।

कोहली का मौजूदा दौरे पर निराशाजनक रहा प्रदर्शन

रोहित शर्मा ने दूसरे वनडे में 97 गेंदों पर 73 रन बनाकर कुछ राहत की सांस ली है, लेकिन कोहली दोनों मैच में खाता खोलने में असफल रहे। यह वनडे क्रिकेट में पहला अवसर है जब वह लगातार दो मैच में खाता नहीं खोल पाए। इसने निश्चित रूप से उनके कट्टर प्रशंसकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या यह अंत की शुरुआत है।

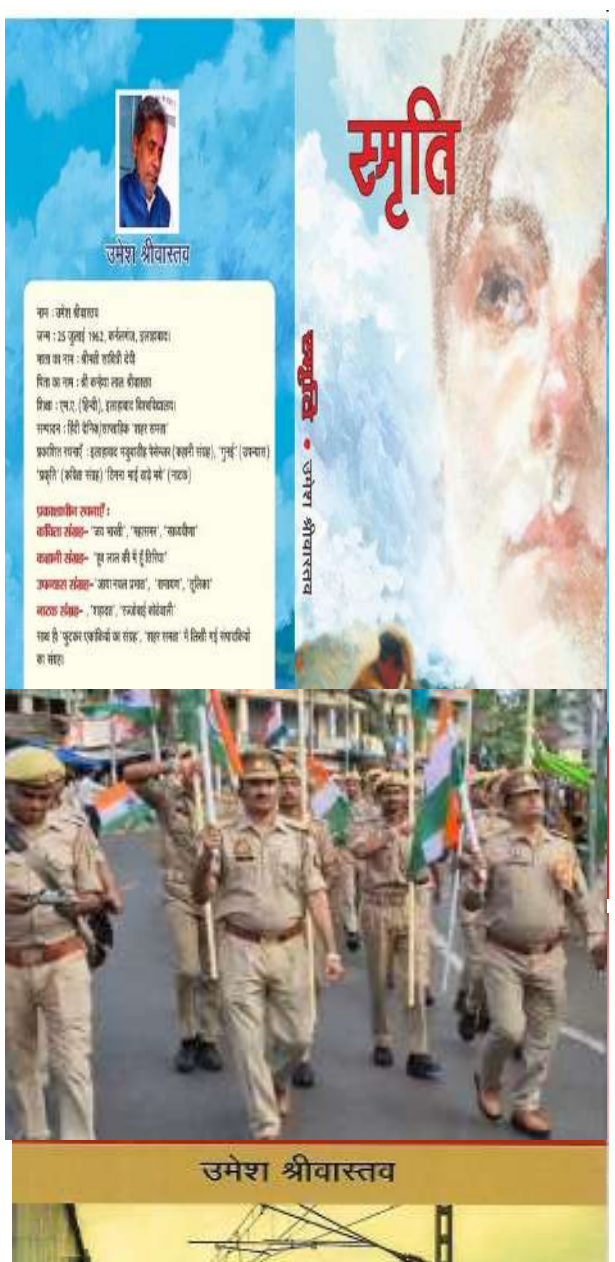

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

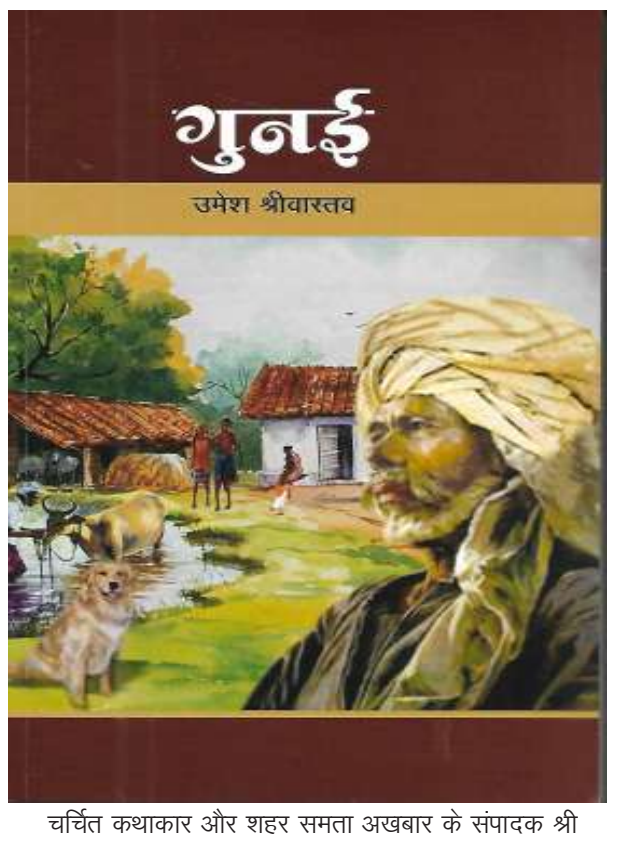

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

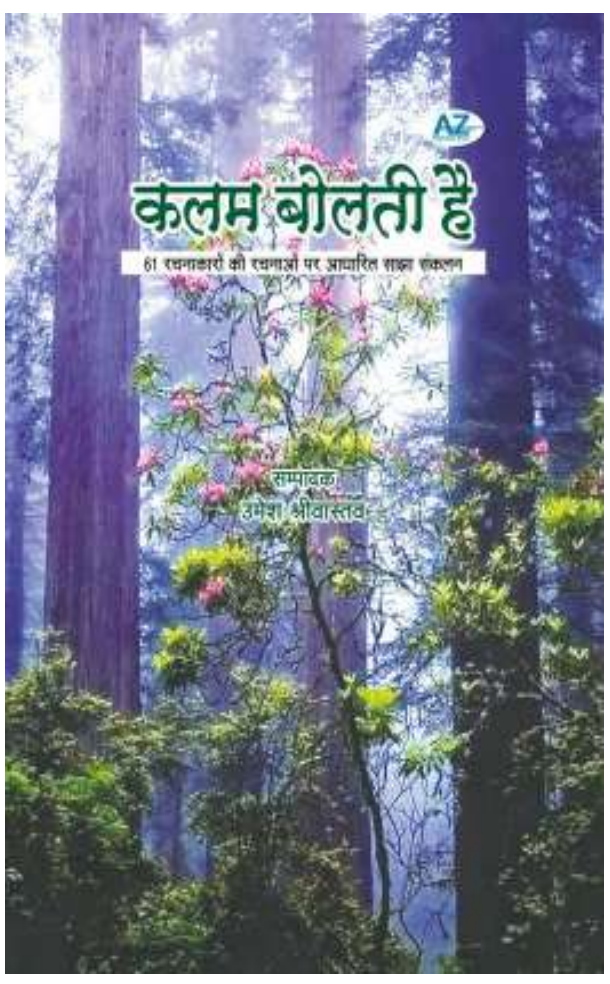

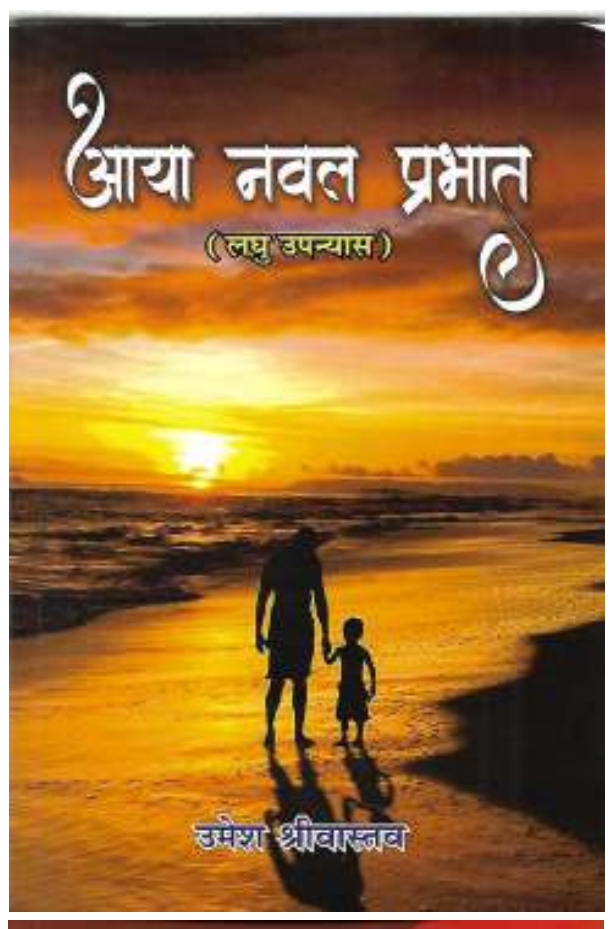

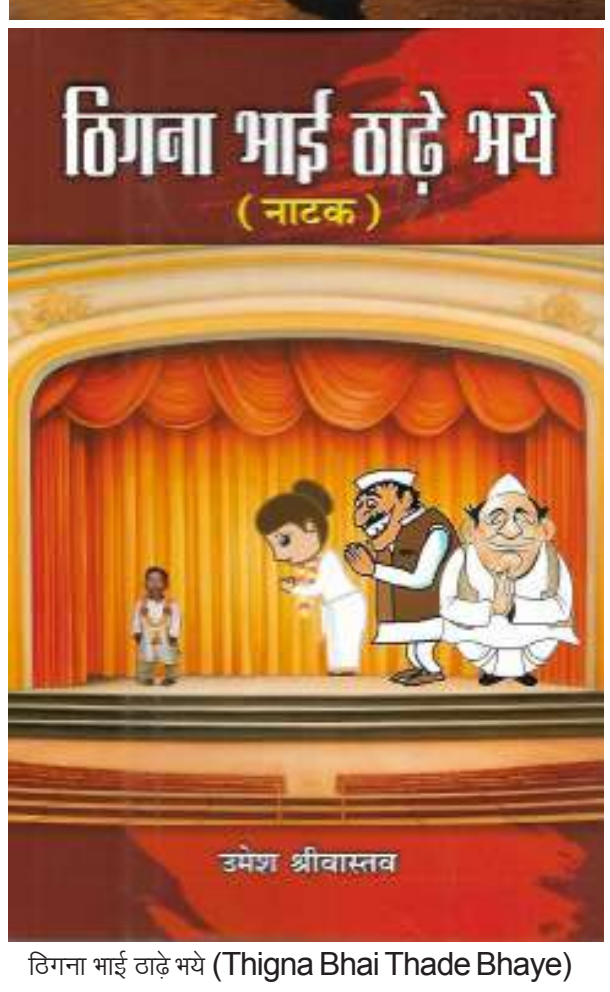

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

पाकिस्तान में आठ टीटीपी आतंकी ढेर

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पुलिस ने टीटीपी के तीन आतंकियों को ढेर कर दिया। पुलिस ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए एक ऑपरेशन में अशांत खैबर पख्तूनख्वा राज्य में आठ ज्ज्ङ आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। यह ऑपरेशन लक्की मरवत जिले के वांडा शेख अल्लाह इलाके में किया गया। एक अन्य घटना में, शुक्रवार को अज्ञात हमलावरों ने दक्षिण वजीरिस्तान से सटे टैंक जिले में एक नए बने सरकारी लड़कियों के प्राइमरी स्कूल को बम से उड़ा दिया। पुलिस ने बताया कि यह घटना सियाल गुल कोरोना के गारा बुद्धा गांव में हुई। ब्लास्ट के समय बिल्डिंग खाली होने के कारण कोई हताहत नहीं हुआ। सुरक्षा अधिकारियों को शक है कि इस इलाके में शिक्षा और साक्षरता, खासकर लड़कियों की शिक्षा को बाधित करने वाले आतंकवादियों का हाथ है। अभी तक किसी भी ग्रुप ने स्कूल पर बमबारी की जिम्मेदारी नहीं ली है।

भारतवंशी इतिहासकार सुनील को ब्रिटिश एकेडमी बुक पुरस्कार

ब्रिटिश एकेडमी बुक प्राइज इस साल 46 साल के भारतीय मूल के इतिहासकार सुनील अमृत की किताब श्द बर्निंग अर्थरू एन एनवायरनमेंटल हिस्ट्री ऑफ द लास्ट 500 इयर्स' के नाम रहा। दुनियाभर की सर्वश्रेष्ठ गैर–काल्पनिक किताबों को दिए जाने वाले इस पुरस्कार के तहत 25,000 पाउंड दिए जाते हैं। अमृत की इस किताब को बुधवार शाम को लंदन में ब्रिटिश एकेडमी में हुए समारोह में पुरस्कृत किया गया।

अमेरिकी विदेश विभाग में सहायक सचिव बने भारतवंशी पॉल कपूर

भारतीय–अमेरिकी लेखक और सुरक्षा विशेषज्ञ पॉल कपूर ने अमेरिकी विदेश विभाग में दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो (एससीए) के नए सहायक सचिव के रूप में शपथ ली है। ब्यूरो ने बुधवार देर रात एक सोशल मीडिया में यह घोषणा की। कूपर ने डोनाल्ड लू का स्थान लिया है। कपूर भारत–पाकिस्तान समेत अन्य एशियाई देशों में अमेरिका की कूटनीतिक भागीदारी और रणनीतिक साझेदारियों की देखरेख करेंगे।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना ने 11 आतंकवादियों को मार गिराया

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में पिछले 24 घंटों में अलग–अलग घटनाओं में दो पुलिसकर्मियों समेत तीन सुरक्षाकर्मी और 11 आतंकवादी मारे गए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि नोश्की में गश्त के दौरान अज्ञात हमलावरों ने दो पुलिसकर्मियों की गोली मारकर हत्या कर दी। उधर, केच इलाके में बारूदी सुरंग में विस्फोट से एक सुरक्षा अधिकारी की मौत हो गई। इसके बाद सुरक्षाबलों ने अभियान चलाया, जिसमें 11 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए।

रूसी ड्रोन हमले में यूक्रेन के दो टीवी चैनल पत्रकारों की मौत

यूक्रेन के पूर्वी शहर क्रामाटोर्स्क में एक रूसी ड्रोन हमले में यूक्रेन के पत्रकारों की मौत हो गई। पीड़ितों की पहचान यूक्रेन के सरकारी स्वामित्व वाले फ्रीडम टेलीविजन चौनल की ओलेना हुबानोवा और येवहेन कर्माजिन के रूप में हुई। रूसी भाषा में प्रसारित होने वाले इस चौनल ने दोनों पत्रकारों की मौत की पुष्टि की है और बताया है कि हमले के समय वे पेट्रोल पंप पर एक कार में थे। इस दौरान शक्तिशाली ड्रोन ने हमला किया, जिसका इस्तेमाल अक्सर टैंकों और बख्तरबंद वाहनों के खिलाफ किया जाता है।

न्यूजीलैंड के तट पर फंसने से 27 पायलट व्हेलों की मौत

न्यूजीलैंड के ट्विलाइट तट पर फंसने से दो दर्जन से अधिक पायलट व्हेलों की मौत हो गई। संरक्षण विभाग ने सोमवार को 29 व्हेलों के एक समूह का पता लगाया था, जो तट पर फंसा था। नॉर्दर्न एडवोकेट ने बृहस्पतिवार को एक रिपोर्ट में बताया कि 27 व्हेलों की मौत हो चुकी है। व्हेलों की हालत और ज्वार संबंधी कारकों के कारण अब तक बचाव अभियान शुरू नहीं किया जा सका है। संरक्षण विभाग ने कहा कि नगाती कुरी लोगों ने यहां माओरी आध्यात्मिक प्रतिबंध लागू किया गया। इसलिए अब स्थानीय जनजातियों के सहयोग से बचाव अभियान शुरू किया जाएगा।

लिथुआनिया का आरोप- वायुसीमा में घुसे रूसी सैन्य विमान

बाल्टिक देशों में शुमार लिथुआनिया के राष्ट्रपति गितानास नाउसैदा ने कहा कि रूसी सैन्य विमानों ने संक्षिप्त रूप से लिथुआनिया के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया, जिसे उन्होंने यूरोपीय संघ और छ।ज्व सदस्य देश की क्षेत्रीय अखंडता का स्पष्ट उल्लंघन बताया। राष्ट्रपति ने कहा कि लिथुआनिया की राजधानी विल्नियस में रूसी दूतावास के प्रतिनिधियों को बुलाकर इस उल्लंघन पर विरोध दर्ज कराया जाएगा। स्थानीय समयानुसार गुरुवार शाम लगभग 6 बजे, दो रूसी सैन्य विमानकृैन्–30 और प्–78कृलगभग 700 मीटर तक लिथुआनिया के हवाई क्षेत्र में प्रवेश किए और लगभग 18 सेकंड बाद वापस चले गए।

ट्रंप ने बिनेंस के संस्थापक चांगपेंग झाओ को माफ किया

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बिनेंस के संस्थापक चांगपेंग झाओ को क्षमादान दे दिया है। झाओ ने पहले ट्रंप से क्षमा याचना की थी। वह वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल से जुड़े हैं, जो ट्रंप और उनके बेटों ने सितंबर में शुरू किया था। ट्रंप ने इस परियोजना से पिछले वर्ष 57 मिलियन डॉलर से अधिक कमाए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

भारत के बाद अफगानिस्तान ने भी पानी को बनाया हथियार! कुनार पर बांध बना पाकिस्तान की जल आपूर्ति रोकेगा तालिबान

भारत के बाद अब अफ़ग़ानिस्तान भी पाकिस्तान की जल आपूर्ति पर रोक लगा सकता है। तालिबान के उप–सूचना मंत्री मुजाहिद फ़राही ने घोषणा की है कि जल एवं ऊर्जा मंत्रालय को तालिबान के सर्वोच्च नेता शेख हिबतुल्लाह अख़ुंदज़ादा से कुनार नदी पर बिना किसी देरी के बांध बनाने के निर्देश मिले हैं। यह नदी पाकिस्तान में बहती है और पाकिस्तान के लिए पानी का एक प्रमुख स्रोत है।

अफ़ग़ानिस्तान पाकिस्तान की नदियों का पानी सीमित करने की तैयारी में

अफ़ग़ान सूचना मंत्रालय के अनुसार, तालिबान शासित अफ़ग़ानिस्तान बाँध बनाने और पाकिस्तान की नदियों का पानी सीमित करने की योजना बना रहा है। कुनार नदी पर ष्यथाशीघ्रष बाँध बनाने का आदेश तालिबान के सर्वोच्च नेता मौलवी हिबतुल्लाह अखुंदज़ादा ने दिया है। ष्जल के अधिकारष के बारे में यह सार्वजनिक बयान अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध के कुछ ही हफ़्ते बाद आया है जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए थे।

शहबाज शरीफ की मुश्किलें बढ़ीं

अफ़ग़ानिस्तान का यह फ़ैसला भारत द्वारा पाकिस्तान के साथ जल–बँटवारे के फ़ैसले के बाद आया है। भारत ने सिंधु जल संधि, जिसके तहत वह तीन पश्चिमी नदियों का पानी साझा करता था, को 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी और पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा 26 नागरिकों

की हत्या के बाद स्थगित रखा था।

पाकिस्तान का पानी रोकने की बनाई योजना, कुनार नदी पर बांध बनाने की तैयारी

अफ़ग़ान जल और ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि सर्वोच्च नेता अखुंदज़ादा ने मंत्रालय को कुनार नदी पर बाँधों का निर्माण जल्द से जल्द शुरू करने और घरेलू कंपनियों के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर करने का निर्देश दिया है, जैसा कि सूचना उप मंत्री मुहाजेर फ़राही ने गुरुवार को ग पर पोस्ट किया। लंदन स्थित अफ़ग़ान पत्रकार सामी यूसुफ़ज़ई ने कहा, भारत के बाद, अब पाकिस्तान की जल आपूर्ति को प्रतिबंधित करने की बारी अफ़ग़ानिस्तान की हो सकती है...। सामी यूसुफ़ज़ई के अनुसार, सर्वोच्च नेता ने ख्जल एवं ऊर्जा, मंत्रालय को विदेशी कंपनियों का इंतज़ार करने के बजाय घरेलू अफ़ग़ान कंपनियों के साथ अनुबंध करने का आदेश दिया है। 480 किलोमीटर लंबी कुनार नदी, उत्तर–पूर्वी अफ़ग़ानिस्तान के हिंदू कुश पर्वतों से, पाकिस्तान सीमा के पास ब्रोघिल दर्रे के पास निकलती है। यह कुनार और नंगरहार प्रांतों से होकर दक्षिण की ओर बहती है और फिर पाकिस्तान के ख़ैबर पख़्तूनख़्वा में प्रवेश करती है, जहाँ यह जलालाबाद शहर के पास काबुल नदी में मिल जाती है। कुनार को पाकिस्तान में चित्राल नदी कहा जाता है। काबुल नदी, जिसमें कुनार नदी बहती है, अफ़ग़ानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बहने वाली सबसे बड़ी और सबसे ज़्यादा पानी वाली सीमा पार नदी है। काबुल नदी अटक के पास सिंधु नदी में मिलती है और पाकिस्तान, खासकर उसके ख़ैबर पख़्तूनख़्वा प्रांत की सिंचाई और अन्य जल आवश्यकताओं के लिए महत्वपूर्ण है। कुनार नदी के जल प्रवाह में कमी का सिंधु नदी पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा, जिसका असर पंजाब पर भी पड़ेगा। अफ़गानिस्तान का यह कदम डूरंड रेखा पर हफ़्तों तक चली घातक झड़पों के बाद आया है, जो पाकिस्तान के साथ उसकी वास्तविक सीमा है, जिसे काबुल नाजायज़ बताता है। औपनिवेशिक अंग्रेजों द्वारा खींची गई डूरंड रेखा ने पश्तून मातृभूमि को दो भागों में विभाजित कर दिया था।

ट्रंप के कहने पर रूस से तेल खरीदना कम कर रहा भारत, व्हाइट हाउस का दावा

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुरोध पर रूस से तेल खरीदना कम करना शुरू कर दिया है। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने यह दावा किया। उन्होंने कहा, अगर आप रूस पर लगे प्रतिबंधों को देखें और पढ़ें, तो वे काफी सख्त हैं। अमेरिका ने बुधवार को रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों, रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंधों का एलान किया। इन कंपनियों पर प्रतिबंध रूस के राजस्व के स्त्रोत पर बड़ी चोट मानी जा रही है।

यूरोपीय सहयोगियों पर भी दबाव बना रहा अमेरिका

गुरुवार को जब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट से रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने दावा किया कि

मैंने कुछ अंतरराष्ट्रीय खबरें देखीं है, जिनमें कहा गया है कि चीन रूस से तेल खरीदना कम कर रहा है। हम जानते हैं कि भारत ने भी राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर ऐसा ही किया है। कैरोलिन लेविट ने कहा कि अमेरिका ने अपने यूरोपीय सहयोगियों से भी रूसी तेल आयात में कटौती करने की अपील की है।

ट्रंप और उनका प्रशासन कई बार कर चुका है दावा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन पिछले कुछ दिनों से दावा कर रहा है कि भारत ने आश्वासन दिया है कि वह रूस से अपने तेल आयात में कमी करेगा। हालांकि, भारत की तरफ से इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई है। भारत का कहना है कि उनकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हितों से तय होती है और सरकार का उद्देश्य अपने उपभोक्ताओं के लिए किफायती और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना है। अमेरिका का आरोप है कि भारत मॉस्को से कच्चे तेल की खरीद कर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन युद्ध को वित्तपोषित कर रहा है। इसे लेकर अमेरिका ने भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ भी लगाया है। जिसके बाद भारत पर अमेरिकी टैरिफ बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। हालांकि भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को गलत और बेतुका बताया है।

ट्रंप और पुतिन के बीच हंगरी में होने वाली बैठक भी टली

लेविट ने कहा कि ट्रंप ने बहुत पहले ही रूस के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए थे। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन पर शांति समझौते की दिशा में आगे बढ़ने में पर्याप्त रुचि न दिखाने का आरोप लगाया। हाल ही में ट्रंप ने हंगरी में पुतिन के साथ होने वाली बैठक भी रद्द करने का एलान किया। हालांकि व्हाइट हाउस ने कहा है कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत की उम्मीद पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है और भविष्य में दोनों के बीच मुलाकात हो सकती है।

टीवी विज्ञापन के कारण कनाडा के साथ व्यापार वार्ता समाप्त कर रहे हैं : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार देर रात सोशल मीडिया पर कहा कि वह कनाडा के साथ ''सभी व्यापार वार्तायें'' समाप्त कर रहे हैं, क्योंकि हाल ही में प्रसारित टेलीविजन विज्ञापनों में अमेरिकी शुल्कों का विरोध किया गया है। ट्रंप ने

इन विज्ञापनों को ''अत्यधिक अनुचित व्यवहार'' बताया, जिसका उद्देश्य अमेरिकी अदालतों के फैसलों को प्रभावित करना है। ट्रंप का यह पोस्ट कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति के शुल्क से उत्पन्न खतरे के कारण उनका लक्ष्य, अमेरिका के बाहर के देशों को निर्यात दोगुना करने का है।

शेख हसीना की बढ़ीं मुश्किलें, मुकदमे की कार्यवाही पूरी; अदालत 13 नवंबर को सुनाएगी फैसला

ढाका। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ चल रहे मानवता के खिलाफ अपराधों के मुकदमे की कार्यवाही पूरी कर ली है और 13 नवंबर को फैसला सुनाने की तारीख तय की है। पूर्व प्रधानमंत्री हसीना पर आरोप है कि उन्होंने आवामी लीग शासनकाल के दौरान कई लोगों को प्रताड़ित करने और जबरन गायब कराने में भूमिका निभाई थी। अगस्त 2024 में छात्र–नेतृत्व वाले जनविरोधी आंदोलन में सत्ता से बेदखल होने के बाद हसीना को देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में पद संभाला। ढाका ट्रिब्यून ने गुरुवार को पहले बताया था कि हसीना के वकील मोहम्मद आमिर हुसैन ने कहा था कि पूर्व प्रधानमंत्री 2024 में भेदभाव–विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के विरुद्ध किए गए अपराधों के मामले में भागी नहीं थीं; बल्कि उन्हें जाने के लिए मजबूर किया गया था। निष्कासन के बाद वह कम से कम कुछ समय के लिए भारत में रहीं।

नाइजीरियाः 50 से अधिक बोको हरम आतंकी मारे गए

पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया की सेना ने देश के उत्तरपूर्व में सैन्य ठिकानों पर ड्रोन हमलों के जवाब में 50 से अधिक बोको हरम आतंकवादियों को मार गिराया। सेना के प्रवक्ता सानी उबा के अनुसार, गुरुवार सुबह बोर्नो और योबे राज्यों में आतंकवादियों ने सैन्य ठिकानों पर एक साथ हमला किया। जमीन और वायु हमलों के संयोजन से सेना ने उन आतंकवादियों को पराजित किया, जो उत्तरी कैमरून और योबे राज्य के कटरको गांव से हमले कर रहे थे। प्रवक्ता ने कहा कि घायल आतंकवादियों के पीछे जमीन और वायु सेना संयुक्त रूप से अभी भी कार्रवाई कर रही है। पिछले महीने बोको हरम ने दरुल जमाल गांव में रात के समय हमला कर कम से कम 60 लोगों को मार डाला था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

Dragon बनाम Eagle के बीच 'संतुलन' की भूमिका निभा रहा है ASEAN

कुआलालंपुर में 47वां आसियान शिखर सम्मेलन केवल दक्षिण–पूर्व एशिया की क्षेत्रीय बैठक भर नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे युग का संकेत है जहाँ बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का स्वरूप स्पष्ट रूप से उभर रहा है। इस वर्ष की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, चीनी प्रधानमंत्री ली च्यांग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित दुनिया के प्रमुख नेता या तो उपस्थित रहेंगे या वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। यह सम्मेलन अपने स्वरूप में जितना भौगोलिक है, उतना ही रणनीतिक भी क्योंकि इसमें एशिया–प्रशांत की सत्ता–समीकरणों का भविष्य दांव पर लगा है। हम आपको बता दें कि 1967 में गठित आसियान (।ैम्।छ) ने बीते पाँच दशकों में यह साबित किया है कि क्षेत्रीय सहयोग की भावना यदि निरंतरता और संतुलन के साथ चले तो वैश्विक स्तर पर भी राजनीतिक केंद्रबिंदु बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे महाशक्तियों के बीच व्यापारिक तनाव, दुर्लभ धातुओं (तंतम मंतजी) पर प्रतिबंध और नए टैरिफ युद्ध के बीच आसियान का "तटस्थ" रुख उसे विश्व कूटनीति का एक स्थायी मंच बना रहा है। यही कारण है कि इस वर्ष का सम्मेलन "जीम॑वतसक ब्वउमे जव ।ैम्।छ" के प्रतीक वाक्य से पहचाना जा रहा है। आसियान देशों ने अपने आर्थिक ढांचे को "डिजिटल इकॉनॉमिक फ्रेमवर्क" और "आसियान पावर ग्रिड" जैसी परियोजनाओं के माध्यम से एकीकृत करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। यह न केवल ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में परस्पर निर्भरता बढ़ाने का संकेत है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि एशिया अपने दम पर आत्मनिर्भर रणनीतिक क्षेत्र बनने की ओर अग्रसर है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उपस्थिति इस सम्मेलन का सबसे चर्चित पहलू है। ट्रंप की राजनीतिक शैली और आसियान की "सम्मति आधारित नीति" एक–दूसरे के विपरीत हैं। एकतरफ व्यक्तिगत नेतृत्व पर आधारित अमेरिकी आक्रामकता और दूसरी ओर सामूहिक सहमति की दक्षिण–पूर्व एशियाई परंपरा देखने लायक है। फिर भी, अमेरिका की उपस्थिति आसियान के लिए आवश्यक है, क्योंकि इससे संगठन की अंतरराष्ट्रीय प्रासंगिकता बनी रहती है। दूसरी ओर, ट्रंप के लिए भी यह दौरा केवल एक औपचारिकता नहीं है; यह चीन को कूटनीतिक संदेश देने का अवसर है। दुर्लभ धातुओं पर प्रतिबंध, नए व्यापारिक नियंत्रण और एशिया–प्रशांत क्षेत्र में प्रभाव संतुलन जैसे मुद्दे उनके एजेंडे के केंद्र में हैं। हालांकि, यह स्पष्ट है कि ट्रंप की नीति अभी भी "अमेरिका फर्स्ट" दृष्टिकोण से संचालित है, न कि क्षेत्रीय सहयोग की भावना से। इस बार का सम्मेलन ऐतिहासिक भी है क्योंकि पूर्वी तिमोर (ज्पउवत–स्मेजम) को आसियान की सदस्यता मिल रही है। यह उस क्षेत्रीय संरचना के विस्तार का संकेत है जो अब केवल आर्थिक या सामरिक मंच नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों का भी प्रतिनिधित्व करने लगा है। टिमोर–लेस्ते का प्रवेश विशेष रूप से म्यांमार जैसे मुद्दों पर संगठन की नैतिक स्थिति को मजबूत कर सकता है। हालांकि, उसके सैन्य शासन पर वर्तमान में नरम रुख यह भी दर्शाता है कि सदस्यता की कीमत कभी–कभी वैचारिक स्पष्टता से अधिक होती है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मेलन में वर्चुअल रूप से जुड़ना भारत की "एक्ट ईस्ट नीति" के तहत निरंतरता का प्रतीक है। भारत और आसियान के बीच व्यापक सामरिक साझेदारी अब व्यापार, समुद्री सुरक्षा, डिजिटल सहयोग और आपदा प्रबंधन जैसे नए आयामों तक विस्तारित हो चुकी है। भारत के लिए आसियान केवल आर्थिक अवसर नहीं, बल्कि हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को सशक्त करने का माध्यम भी है। चीन की विस्तारवादी नीति और अमेरिका की अनिश्चितता के बीच आसियान–भारत सहयोग एक "संतुलनकारी शक्ति" के रूप में उभर सकता है। मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से "सामने वाले को उसकी भाषा में जवाब" देने की नीति अपनाई है, उसने भारत को एक आत्मविश्वासी क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित किया है। ट्रंप या शी जिनपिंग जैसे नेताओं के साथ संवाद में भारत ने हमेशा कूटनीति के साथ दृढ़ता का प्रदर्शन किया है और यही दृष्टिकोण आसियान के मंच पर भी दिखाई देता है। देखा जाये तो आसियान की यह बैठक मूलतः उस नई विश्व व्यवस्था की झलक है जिसमें पश्चिमी शक्तियाँ अब निर्णायक नहीं, बल्कि साझेदार की भूमिका में हैं। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा ने दक्षिण–पूर्व एशिया को "वैश्विक आर्थिक हृदय" बना दिया हैकृ एक ऐसा भूभाग जहाँ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, व्यापार और सुरक्षा की नीतियाँ एक–दूसरे से गुँथी हुई हैं। भारत के लिए यह अवसर है कि वह इस बहुध्रुवीय संरचना में "सहयोगी ध्रुव" बने जो न तो किसी खेमे का हिस्सा हो, न ही अलगाव का प्रतीक। कूटनीति की यही परिपक्वता भारत की वैश्विक पहचान को स्थायी बनाएगी। आसियान शिखर सम्मेलन 2025 यह संदेश देता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अब संवाद, संयम और सहयोग ही वास्तविक शक्ति हैं। अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा के बीच आसियान यदि अपनी केंद्रीयता बनाए रख सका, तो यह न केवल क्षेत्रीय स्थिरता बल्कि विश्व शांति की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। भारत जैसे देशों के लिए यह मंच केवल रणनीतिक भागीदारी का अवसर नहीं, बल्कि "वसुधैव कुटुम्बकम्" की उस भावना का विस्तार है जो हमारी कूटनीति की आत्मा रही है। बहरहाल, आसियान का यह शिखर सम्मेलन एक ऐसे समय में हो रहा है जब विश्व राजनीति "ड्रैगन बनाम ईगल" की टकराहट से गहराई तक प्रभावित है। एक ओर चीन (ड्रैगन) अपनी आर्थिक शक्ति, व्यापारिक जाल और 'रेयर अर्थ' संसाधनों की नीति के ज़रिए वैश्विक प्रभाव बनाए रखना चाहता है, तो दूसरी ओर अमेरिका (ईगल) टैरिफ़, टेक नियंत्रण और कूटनीतिक दबावों के ज़रिए उस प्रभाव को सीमित करने की कोशिश कर रहा है। इन दोनों के बीच आसियान वह संतुलन बिंदु बनकर उभरा है जो संवाद, सहयोग और परस्पर हितों के माध्यम से बहुध्रुवीय विश्व की दिशा तय कर सकता है। भारत का इस मंच पर संयमित किंतु प्रभावी हस्तक्षेप न केवल उसकी "एक्ट ईस्ट नीति" की सफलता का प्रमाण है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि नई वैश्विक व्यवस्था में अब निर्णय सिर्फ़ शक्तिशाली देशों के नहीं, बल्कि समझदार साझेदारियों के हाथों में होंगे। यही आसियान की वास्तविक शक्ति है और यही भारत की कूटनीति की जीत भी।